चिन्ह

... वचन को पढ़ते है। सभा का समापन करने के लिए, कारण कि मैंने आपको खड़ा होने के लिए कहा... जब वे *सितारो से चमकता ध्वज* बजाते हैं, तो आप खड़े हो जाते हैं। क्या आप नहीं होते? [सभा कहती है, "हां।"—सम्पा।] तो फिर परमेश्वर के वचन के लिए क्यों नहीं? यह एक सम्मान है। अब यहां निर्गमन की पुस्तक में, 12वां अध्याय, 12वें पद से आरंभ करके, मैं वचन का एक भाग पढ़ना चाहता हूं, 12वां और 13वां पद।

> *क्योंकि उस को रात को मैं मिस्र देश के बीच में होकर जाऊंगा, और मिस्त्र देश के—के सब के पहलौठो को मारूंगा, क्या मनुष्य क्या पशु; और... मिस्त्र के सारे देवताओं को भी मैं दण्ड दूंगा: मैं तो यहोवा हूं।*
>
> *और जिन घरो में तुम रहोगे उन पर वह लहू तुम्हारे निमित्त चिन्ह ठहरेगा; अर्थात मैं उस लहू को देख कर, तुमको छोड़ जाऊंगा, और जब मैं मिस्र देश के लोगो को मारूंगा, तब वह विपत्ति तुम पर न पड़ेगी, और तुम नाश न होगे।*

2 मेरा विषय है: *चिन्ह।*

3 आइये अब हम अपने सिरों को झुकाये। और इस पवित्र क्षण की उसकी शांति, इसके पहले कि हम प्रार्थना के लिए उसकी ओर पहुंच करे, क्या कोई निवेदन है जिसे इस दोपहर को आप चाहते है कि परमेश्वर उसका उत्तर दे? यदि कोई है तो आप अपने हाथों को उठाएं, और अपने ह्रदय में सोचे कि आप उससे क्या करवाना चाहते हैं। भवन में कहीं भी, जरा सोचे कि आप उससे क्या करवाना चाहते हैं।

4 हमारे स्वर्गीय पिता, तू तो ना बदलने वाला परमेश्वर हैं, और हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देंगे, इस दोपहर को, जैसे—जैसे की हम अपने हाथों को थामे हुए हैं। और आपने ध्यान दिया है कि मेरा हाथ भी ऊपर उठा हुआ है। और मेरा निवेदन, मैं लोगो को बताऊंगा, प्रभु, यही है कि आप प्रत्येक व्यक्ति को चंगा करेंगे जो आज यहां पर है, हर एक खोये हुए को बचा ले। अब, आपने कहा, "यदि तुम पिता से

मेरे नाम में कुछ भी मांगो, मैं उसे करूंगा।" अब, प्रभु, हमारी सहायता करें कि हम एक इकाई के समान मिलकर विश्वास करें, विश्वास करने वाले बालक। अपने वचन में से होकर बोलें, प्रभु। तेरा वचन सच्चा है। हमारे हृदयो को आशीषित करें।

5 इस सभा के लिए हम तेरा धन्यवाद करते हैं। भाई ग्रांट के लिए तेरा धन्यवाद और इस सारे कार्य करने वालो के लिए, और सारी कलीसियाओ और लोगों के लिए। और इस सब के लिए जो प्रभु आपने हमारे लिए किया है, हम तेरे आभारी हैं। पिता, हम में से बहुत से हैं, जो आपस में एक दूसरे को कभी नहीं देखने पायेंगे, जब तक हम उस पार ना चले जाए। संभव है यह हमारी अंतिम सभा हो कि हम एक साथ इस पृथ्वी पर बैठेंगे। पवित्र आत्मा आकर हमें एक साथ आशीषित करे, हमारी आवश्यकताए पूरी करे। यीशु के नाम में हम यह प्रार्थना करते हैं। आमीन।

बैठ सकते है।

6 मेरे पास यहां कागज का एक छोटा टुकड़ा है, मैंने इस पर थोड़े से वचन और छोटी–छोटी बातें लिखी है। पहले अपने मस्तिष्क में स्मरण रख सकता था, परन्तु मैंने अभी पच्चीस पूरे किए है, आप जानते हैं, दूसरी बार। और अब पहले के समान नही जैसे होता था, और सभाओं में बहुत सी क्षति और बातें, और करने के लिए बहुत कुछ।

7 इस दोपहर बाद हमारा विषय है: *चिन्ह।* हमारा दृश्य मिस्र में खुलता है। यह यहां पर एक महान चित्र है, मैं चाहता हूं कि आप सब इसे देखें और उतनी श्रध्दा में हो जितने हो सकते हैं। मिस्र दृश्य का स्थान है, और दृश्य का समय निर्गमन के बस आरंभ का है।

8 और, अब, यह आज के प्रतीक को दर्शाता है, जैसे कि हम भी एक और निर्गमन का सामना कर रहे हैं। परमेश्वर इस्राईल को मिस्र से बाहर ला कर प्रतिज्ञा के देश में ले जा रहा है, यह मसीह का प्रतीक था कि दुल्हन को कलीसिया से बाहर ला रहा है, प्रतिज्ञा के देश में ले जा रहा है। हम एक दूसरे निर्गमन में हैं। अब यदि आप पवित्र शास्त्र का अध्यन करें, तो हम विशेष स्थानों को देखने के लिए थोड़ा समय लेगे कि, यह सत्य है। हम लोग... जैसा कि परमेश्वर राष्ट्र में से एक राष्ट्र को निकाल रहा था, परमेश्वर कलीसिया में से दुल्हन को निकालेगा। दुल्हन सारी कलीसियाओ में से निकाली जाएगी। यह परमेश्वर की चुनी हुई होगी, बाहर लायी जायेगी।

और अब हम इस समय उस निर्गमन के बिल्कुल समीप हैं, क्योंकि हमारे पास पवित्र शास्त्र का हर प्रमाण है कि हम यहां पर खड़े हुए हैं। अब, मैं जानता हूं कि यह बहुत बार कहा गया है, परन्तु, मेरे मित्र, एक बार यह अंतिम बार कहा जाएगा। तब समय अनंतता में लुप्त हो जाएगा। वह एक कलीसिया में से दुल्हन को लेने आ रहा है।

9 चिन्ह वह चीज थी जो कि दो भिन्न राष्ट्रों इस्त्राईल और मिस्त्र में भिन्नता को दर्शाए। वे सब मनुष्य थे, परंतु सब परमेश्वर के रचे हुए, वे सब परमेश्वर के हाथो के कार्य थे, परन्तु, भिन्नता जब मृत्युदंड पारित हो गया था, चिन्ह जीवन और मृत्यु के मध्य का अंतर था।

10 और ऐसा ही परमेश्वर के पुत्र के आने पर होगा, जब वह कलीसिया में से दुल्हन को लाता है, अंतर चिन्ह का होगा। और आप इस दोपहर बाद सुने, और देखें क्या यह सत्य नहीं है। क्या चिन्ह ही अंतर होगा। कोई तो अंतर होना ही है।

11 किसी दिन परमेश्वर संसार का न्याय करने जा रहा है। यदि मैं कैथोलिक लोगों से पुछू कि, "वह किसका न्याय और संसार को किससे जांचेगा?" वे कहेंगे, "कलीसिया से।" कौन सी कलीसिया? "कैथोलिक कलीसिया।" कौन सी कैथोलिक कलीसिया से? वह तो बहुत सारी है। मेथोडिस्ट कहेंगे, "मेथोडिस्ट के आधार पर," तो फिर बैपटिस्ट इससे बाहर निकल गए। फिर, यदि आप बैपटिस्ट कलीसिया के द्वारा जांचते हैं, तो बाकी बाहर निकल जाते हैं। पेंटीकोस्टल कहते हैं, "पेंटीकोस्टल के द्वारा," तो बाकी बाहर हो जाते हैं। देखिए, ये उलझाने वाला होगा, बहुत ही गड़बड, ऐसी बात मस्तिष्क में सोचने के लिए, बहुत ही गडबड बात है।

12 परंतु यहां जो परमेश्वर ने कहा वह एक तरीका है कि उसने कहा वह संसार को, कैथोलिक कलीसिया के द्वारा नही, ना ही प्रोटेस्टेंट कलीसिया के द्वारा न्याय करने जा रहा है। परन्तु वह संसार का न्याय यीशु मसीह के द्वारा करने जा रहा है, और यीशु वचन है, इसलिए यह फिर से बाईबल पर वापस आ गया। समझे? वह संसार का न्याय बाईबल से करेगा। और बाईबल परमेश्वर के न्याय की पुस्तक है, जो कि यीशु मसीह का पूर्ण प्रकाशन है, जिसमें कि कुछ भी नहीं मिलाया जा सकता या ना ही उसमें से कुछ भी निकाला जा सकता है; ऐसा करने का दंड, आपका नाम जीवन की पुस्तक में से निकालना है। बस पुस्तक के साथ बने रहे, और परमेश्वर

से प्रार्थना करें कि हमें उसका भाग बनाए।

13 अब हम पाते हैं, एक चिन्ह, एक चिन्ह क्या है? एक चिन्ह दाम चुका दिया गया है, इस बात का चिन्ह है, वह चिन्ह है। जैसे कि हमारी रेल और बस, हम अपने पैसे लेकर और स्टेशन पर जाते हैं। अब, देखिए, बस की लाईन को अनुमति नहीं मिलती, उन स्थानों पर जहां चिन्ह का उपयोग किया जाता है, उन्हें पैसे लेने की अनुमति नहीं होती। वे पैसे नहीं ले सकते, वह चिन्ह लेता है; उदाहरण, हवाई जहाज, और जो कुछ भी हो। आप एक निश्चित स्थान पर जाते हैं, टिकट खरीदने की खिड़की पर, और अपने पैसे से खरीदते हैं, बहुत सारे चिन्ह, यह निश्चित चिन्ह। और यह प्रतीक एक चिन्ह है कि आपके किराए का भुगतान कर दिया गया है। आपको अधिकार है कि आप पानी के जहाज पर सवार हो जाए, हवाई जहाज पर सवार हो जाए, बस में सवार हो जाए, या यह जो कुछ भी है, और जब तक आपके पास दिखाने के लिए चिन्ह हैं कि आपके—कि आपके सवार होने का भुगतान कर दिया गया है। अब यह स्मरण रखें। इसे भूले ना।

14 इस्राईल ने मेमने को घात किया था... यह परमेश्वर की मांग थी। यहोवा की मांग घात किया गया मेम्ना था, किसी और का स्थान लेने के लिए एक निर्दोष। जैसा कि हम इस सप्ताह में होते हुए देख चुके हैं, कि परमेश्वर, जब वह निर्णय को लेता है, वह उसे बदलता नही है। और उसने एक मार्ग को बनाया, उसकी पहली बात जो उसने की जब मनुष्य गिर गया था, उसे उसको वापस लाने के लिए मार्ग बनाना था, यदि वह उसे कभी छुड़ाना चाहता था, और उसने एक निर्णय लिया कि उसने एक निर्दोष के लहू से मनुष्य को बचाया है। और उसने हमेशा ही ऐसा ही किया है। उसने इसे कभी नहीं बदला। परमेश्वर किसी भी आराधना करने वालो से कभी भी नहीं मिलेगा, केवल लहू के नीचे। उसका केवल यही स्थान है।

15 हम उससे धर्म शिक्षा के अधीन मिलना चाहते हैं, अपने नामधारी को अधीनता में अपने शिक्षा योजनाओ की अधीनता में। कुछ ने मीनारों और नगरो का निर्माण किया, बाबुल और—और बाबुल की मीनार, और सब विभिन्न प्रकार की चीजें। परन्तु वह अब भी परमेश्वर है, परमेश्वर सच्चे आराधना करने वाले से लहू के नीचे मिलता है। उसने इसे कभी नहीं बदलता। हम सारे मैथोडिस्ट नहीं हो सकते, हम सब पेंटीकोस्टल नहीं हो सकते, हम सब *यह, वह, सब* नहीं हो सकते, हम असहमत होंगे। परन्तु

जब मैं एक व्यक्ति के पास आता हूं, वह कैथोलिक हो या जो भी है, जब वह उस लहू के तले है, हम भाई हैं, चिन्ता नही कि वह कहां है, जब तक वह उस लहू के तले है।

16 अब, इस्राईल का बली किया मेमना यहोवा की मांग थी, और लहू चिन्ह था कि कार्य किया जा चुका है। छुटकारे के लिए मिस्त्र से प्रतिज्ञा किए देश तक यह परमेश्वर की मांग थी, उसकी मांग बलिदान किया गया पशु था। और उस पशु को... मरे हुए पशु का लहू दरवाजे की चौखट पर होना चाहिए, और यह चिन्ह के लिए था कि जो यहोवा की मांग है वह पूरी कर दी गई है। समझे? अब, वो मेम्ना चिन्ह नहीं था, वो लहू चिन्ह था। अब, बलिदान में से जीवन निकल गया, और अब लहू चिन्ह था। उसकी आज्ञा पूरी की गयी। चिन्ह के बदले में लहू था, इस बात का चिन्ह था कि इस विश्वासी ने ठीक मांग के अनुसार किया है। वह चिन्ह था। ठीक है, विश्वासी को देखने पर, आराधना, तब प्रमाणित थी उसके बलिदान के साथ। समझे?

17 *यहां* घर है, और आराधना करने वाला, क्या मांग थी? "मेमना बली करो। चौदहवें दिन रखने के बाद जो कि एक—एक दोष रहित हो, सारा इस्राईल इसे बली करे, और लहू जूफा के द्वारा लिया जाए और दरवाजो की चौखट पर लगा दिया जाये।"

18 और, वह जूफा कुछ ऐसा था कि साधारण घास थी। *जूफा* का अर्थ "आपका विश्वास।" कुछ लोग अलौकिक विश्वास का यत्न करते है, यही कारण है कि आप अपनी चंगाई में चूक जाते हैं। विश्वास एक साधारण चीज है। कलीसिया में आना आपका विश्वास है। वहां जाने के लिए आपके पास विश्वास है। अपनी कार को चलाने के लिए आपके पास विश्वास है। अपने खाने को खाने के लिए आपके पास विश्वास है। यह इसी प्रकार से है, केवल साधारण विश्वास। अब लहू लगाने के लिए, जूफा से लगाना है, जो कि एक साधारण घास है जो कि फिलिस्तीन कहीं भी उगती है, कि विश्वास जिससे लहू लगाया जाता है यह कोई उच्च कोटी की बड़ी चीज नहीं है जो कि आप के पास होना ही है सब प्रकार की डॉक्टर की डिग्री इसे करने के लिए। तो साधारण प्रतिदिन का विश्वास कि परमेश्वर पर विश्वास करे। समझे? विश्वास के द्वारा, "लहू लगाए," "जुफा के साथ।"

19 अब, उपासक तब इस लहू के तले दिखाई पड़ा, तो यह दर्शाया गया

कि उसने यहोवा के निवेदन को पूरा किया है, और वह प्रमाणित किया गया था। चिन्ह ने दर्शाया कि वह बली किए गए मेमने के साथ प्रमाणित किया गया था जो यहोवा ने मांग की थी। कार्य कर दिया गया था। मसीह का और विश्वासी का आज कितना सिद्ध प्रतिक है। जब टोकन दर्शाया जाता है, विश्वासी को तब यह दर्शाया जाता है, कि यह ग्रहण कर लिया गया और कार्य कर दिया गया है।

20 तब, लहू चिन्ह का प्रमाण है, स्वयं लहू। पशु का लहू बहा, मर गया, और उसका लहू दीवार पर था। अब, पशु का जीवन, जो लहू में था। और जीवन लहू में है, हम यह जानते हैं। बाईबल ने ऐसा कहा है, और विज्ञान इसका प्रमाण देता है कि जीवन लहू में है। इसलिए जब पशु को मारा गया था, और जीवन पशु में से टूट गया, लहू में लहू का रसायनिक होना है, ताकि चिन्ह के लिए प्रमाणित हो। क्योंकि, जीवन जो लहू में था, वह विश्वासी पर नहीं आ सकता था, क्योंकि यह एक पशु का जीवन था।

21 और एक पशु का जीवन और एक मनुष्य का जीवन बिल्कुल भिन्न है। उसमे नहीं है, बिल्कुल कुछ भी नहीं है। आप पशु का लहू ले और अपने में डाल ले, आप मर जाएंगे। इसलिए आप देखिए, हम, यह एक—यह एक पशु के लहू में भिन्न जीवन है मनुष्य के लहू से, क्योंकि मनुष्य में प्राण है। पशु में प्राण नहीं है।

22 और अब, इसलिए, लहू स्वयं में, अब समझिए, लाल रसायनिक, लहू का रसायन, उसे दरवाजे पर होना है, एक चिन्ह के समान कि मेम्ना मारा गया है, अब, क्योंकि मेमने का जीवन मनुष्य उपासक पर नहीं आ सकता है। परन्तु आज... यह एक प्रतिक था।

23 आज यह प्रभु यीशु का रासायनिक लहू नहीं है, हमारा मेमना, परन्तु यह जीवन है जो लहू में था, जो कि पवित्र आत्मा है। यह वापस आता है और चिन्ह है कि हम स्वीकार किए गए है और ठीक वही किया है जो प्रभु ने करने को कहा। और तब, चिन्ह लेने के द्वारा, हम अपने बलिदान के साथ सिद्ध प्रमाणित होते हैं। पूरी तरह से। मैं इससे अधिक और स्पष्ट नही देखता। समझे?

24 केवल यही विधी है कि कोई बता सकता था कि यह घर भी सम्बन्धित है, लहू के नीचे, क्योंकि लहू का रसायन द्वारो के ऊपर था। वे मृत्यु के दूत के पास से होकर निकल गए, उसे देखना था और लहू देखना। अब, फिर

से, यह पवित्र आत्मा का प्रतीक है।

25 अब, देखिए, यीशु का वास्तविक लहू हम में से प्रत्येक पर नहीं आ सकता था, क्योंकि उसके पास उसकी देह में इतना ही लहू था। और वह उसकी देह में से बह गए, बहकर भूमी पर, दो हजार वर्ष पहले चला गया; परन्तु यह चिन्ह के लिए नहीं था। वह जीवन, वह जीवन जो लहू में था, वह अब चिन्ह है। मैं अभी एक मिनट में आपको बाईबल के द्वारा सिद्ध करूंगा। यह वह चिन्ह है जो कि हम में से प्रत्येक के ऊपर आता है, यह दर्शाने के लिए कि हम अपने बलिदान के साथ प्रमाणित किए गए हैं, और यहोवा के निवेदन को पूरा किया है।

26 पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन कहा, "तुम में से हर एक पश्चाताप करे, और अपने पापो की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम्हारे और तुम्हारी सन्तानों के लिए है, और उन सब दूर–दूर के लोगो के लिए है, जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" देखिए, यह उसे नहीं दर्शा रहा है। "जितनो को प्रभु बुलाएगा।"

27 बहुत से लोग सोचते हैं कि बुलाए हुए है। परन्तु सब को "प्रभु" बुलाता है! "जिनको उसने पहले से जाना, उसने बुलाया; जितनो को उसने बुलाया, उसने धर्मी ठहराया; जितनो को धर्मी ठहराया, उसने उन्हें महिमा दी," यह बात पहले ही तय हो चुकी।

28 और तब जब आप एक व्यक्ति को लेते हैं जो यह विश्वास नहीं करता कि पवित्र आत्मा आज के लिए है, देखिए वे क्या कर रहे हैं? वे उस चिन्ह को नकार रहे हैं जो कि आपके लिए इस बात का प्रतीक है कि आप अपने बलिदान से जुड़े हुए हैं। देखा मेरा क्या अर्थ है? यदि आप इसे अन्दर ले तो यह बहुत साधारण है इस प्रकार से कि परमेश्वर ने इसे लिखा है। लहू हमें ले जाता है और हम... पवित्र आत्मा के उस—उस प्रतीक को दर्शाते है, जो कि जीवन है।

29 अब, पशु का जीवन मनुष्य पर वापस नहीं आ सका क्योंकि वे मेल नहीं खाएंगे, पशु जीवन में प्राण नहीं होता। मनुष्य के जीवन में प्राण है। पशु नहीं जानता कि वह नंगा है। वह गलत और सही को नहीं जानता। वह, वह केवल... उसके पास एक—एक आत्मा है, परन्तु प्राण नहीं। अब स्मरण रखे, अब, प्राण आत्मा का स्वभाव है, निसन्देह।

30 अब ध्यान दे, परन्तु जब हमारे बलिदान का जीवन, यीशु मसीह का, जब उसका लहू बहा था... वह परमेश्वर था, एक मनुष्य में भीतर समाया हुआ था। अब, वह यहोवा होकर नीचे आया, कि स्वयं को मनुष्य के समान प्रमाणित करे, आपने मनुष्य का रूप धारण किया, ताकि हमें अपने साथ प्रमाणित करे। वह परमेश्वर का मेमना था। और उसके भीतर, जहां लहू...

31 अब मैं जानता हूं कि कोई कहता है, "वह यहूदी का लहू था।" आप यहूदी को यह कहते सुनते हैं। वह यहूदी का लहू नहीं था, और ना ही अन्यजाति का। वह परमेश्वर का लहू था। उसका ना तो यहूदी था... वह ना ही यहूदी या अन्यजाति था। वह परमेश्वर था। "एक—एक—एक कुंवारी गर्भवती होगी।"

32 अब, मैं जानता हूं कि आप में से बहुत से लोग सोचते है और प्रोटेस्टेंट सोचते हैं कि अंडा मरियम का था। और वो—वो हीमोग्लोबिन जो आता है, जीवन को लहू कोशिका में लाता है। क्योंकि, एक मुर्गी एक अंडा दे सकती है, बिना नर मुर्गे के, यह बच्चा नहीं देगा, क्योंकि यह संसेचित नहीं हुआ। जीवन लहू की धारा से आता है, जो कि नर जनेन्द्री से आता है। परन्तु इस मामले कोई नर जनेन्द्री नहीं थी, इसलिए, "जीवन में लहू है," इसे वो केवल परमेश्वर की ओर से आना था, और उसने मरियम के गर्भ लहू कोशिका की रचना की। परमेश्वर स्वयं रचने वाला लहू की कोशिका को रचा। अब देखिए। वे कहते हैं, "अच्छा वह देह थी। मरियम के पास अंडा था।" नहीं, श्रीमान। वह नहीं थी; कोई अंडा नहीं। यदि ये एक अंडा है, आप शुक्राणु को अनुभूति के नही ले सकते। और यदि वह, उसे संवेदना हुई थी तो फिर आपके पास क्या है जो परमेश्वर कर रहा था?

33 उसने अंडा और लहू दोनों को रचा। सही में वह यही था। "हमने परमेश्वर को व्यवहार किया," बाईबल ने कहा। पहला तीमुथियुस 3:16, "इसमें सन्देह नही भक्ति का भेद महान है: परमेश्वर शरीर में प्रकट हुआ। हमने उसे अपने हाथों से छुआ।" वह देह परमेश्वर थी। निश्चय ही, वह था। वह कुल मिलाकर मनुष्य के रूप में परमेश्वर था।

34 अब हम इस पर ध्यान देते हैं, कि. कि लहू की कोशिका तोड़ी गई, जिसने परमेश्वर को प्रवाह किया। "परमेश्वर मसीह में था, स्वयं में संसार को मिला रहा था।" जहां, की कोई दूसरा इसे नहीं कर सकता था, और कुछ नहीं हो सकता था; उसने यह पवित्र लहू लिया, स्वयं का। परमेश्वर

को नीचे आना पड़ा और मनुष्य बना, कि अपनी ही व्यवस्था को पूरा करे। यदि यीशु केवल एक भविष्यव्यक्ता था, एक मनुष्य जो परमेश्वर से निकला हुआ, तो परमेश्वर अन्यायी है।

35 यदि मैं कह सकू, "भाई ग्रांट किसी पाप के कारण मरे जिसके लिए बिली को मरना चाहिए," या कुछ और, कोई दंड, यह अन्याय होगा। यदि दण्ड के लिए मेरे पुत्र को ही मरना है जिसकी घोषणा स्वयं मैंने की तो यह अब भी न्याय नहीं है। केवल एक ही न्याय है जो मैं कर सकता हूं, कि मैं उसका स्थान लू, यदि मैं उसे बचाना चाहता हूं।

36 और परमेश्वर को देहधारी होना था, ताकि पापी के स्थान को ले ले; परमेश्वर देह में प्रगट हुआ, वह स्वयं में परमेश्वर से कम ना था। अब, यहाँ वह देह में प्रगट हुआ, ताकि संसार के पापों को उठा ले। और उसने स्वयं की पहचान हम में करायी, ताकि हमारी पहचान उसमे हो। इसका उद्देश्य देखिए?

37 अब हम पाते है कि हमारी पहचान हमारे बलिदान के साथ, बलिदान का जीवन हम में है, जो की पवित्र आत्मा है। जब वह कोशिका टूटी थी, तो उसने परमेश्वर का प्रवाह किया, परमेश्वर का प्रवाह किया, कि उसने लोगों को अपने ही लहू से पवित्र किया और परमेश्वर को फिर से मनुष्य में डाला। परमेश्वर आप में है, अनंत जीवन!

38 और कोई भी यूनानी विद्वान जानता है कि वह शब्द, अनंत जीवन, और कोई भी यूनानी विद्वान जानता है कि अनन्त जीवन यह शब्द जे–ओ–ई, *जोई*, शब्द से निकला है जिसका अर्थ "परमेश्वर का स्वयं अपना जीवन।" यह ठीक बात है। केवल एक ही मार्ग है कि आप कभी अनन्त जीवन पा सकते है, अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है, और वह केवल परमेश्वर का अपना जीवन आप में। समझे? तब आप अनन्त जीवन पाते है, क्योंकि केवल वही अनन्त है। और हम उसके विचारों का गुण हैं, इसके पहले कि संसार की बुनियाद को डाला जाता या कुछ भी। यह सब उसके विचार है, और हम उसके विचारों का प्रगट रूप हैं कि वह क्या था।

39 और पाप को उठा ले जाने के लिए उसे नीचे आना था। इसे कोई और नहीं कर सकता था। इस के योग्य कोई और नहीं था। सिवाए उसके और उसने यह किया।

40 और तब, जब वह जीवन उस देह में से निकला जो कि परमेश्वर का

पुत्र था (उसकी रचना की सामर्थ ने एक भवन, किसी एक ठेकेदार के समान बनाया, एक भवन बनाया कि वह स्वयं उसमें चला गया, परमेश्वर ने यह किया।), और तब, जब वह जीवन लिया गया था, वह लहू, उसकी रसायनिकी, भूमी उलट दी गयी, जिस प्रकार की *बस* हाबिल का भूमी पर उंडेला गया, परन्तु उस लहू में से परमेश्वर का पवित्र आत्मा निकल कर आया, और वह पेंटीकोस्ट के दिन मनुष्य पर भेजा गया था, कि उस बलिदान के साथ वह प्रमाणित किया जाए जो उनके लिए मरा। संसार में और कोई विधी नहीं थी कि हम इसे पा सकते थे। एक सकारात्मक चिन्ह!

41 देखिए, यदि आप मृत्यु के लिए दोषी है, और आप जानते है कि आप बिजली की कुर्सी पर जा रहे थे, और स्मरण करे कि अस्वीकार करना...

42 डलास, सुनना! यीशु मसीह के लहू को अस्वीकार करना उसके लहू के चिन्ह को, यदि आप इसे देखते हैं और अस्वीकार करते हैं, तो आप उस न्याय के सामने खड़े होने जा रहे हैं। आप उसके लहू के उत्तरदायी है। पापी आराधनालय के सदस्य, यह स्मरण रखें।

43 क्या होता यदि ली ओसवाल्ड उन कुछ दिनों में योग्य होता, और वह उच्च न्यायालय के सामने पसीने–पसीने हो रहा था जिसका उसे सामना करना था; और राष्ट्रपति के मारने से, वह जान गया था कि उसके साथ भी दया ना होगी, तो वह कैसा अनुभव करता! यह बहुत भयानक बात होनी चाहिए। वह कभी भी इसका सामना नहीं करता, क्योंकि दूसरे व्यक्ति ने उसको गोली मार दी। परन्तु सोचिए वहां उस क्रोधी उच्च न्यायालय के सामने बैठे हुए, अपने साथी के लहू के साथ जो कि आप पर है, संयुक्त राज्य का राष्ट्रपति! यह हल्की बात होगी, कि आप यीशु मसीह के लहू के पास से होकर निकल जाए, जब आप परमेश्वर के न्यायालयों में खड़े होंगे। जब आप जानते हैं तो पसीने पसीने हो जाते है। ओसवाल्ड इससे अधिक नही कर सका सिवाए कि अपना जीवन उसके लिए छोड़ दे पर परमेश्वर ने आपको अपनी उपस्थिति से अनन्ता में निकाल दिया। यह एक भयानक बात होगी। ध्यान दें।

44 यदि आपको न्यायालय में आना पड़े, दोषी होकर, तो आप सबसे अच्छा वकील ढूंढेगे जो आप ढूढ़ सकते है। कोई भी यही करेगा।

45 और प्रत्येक व्यक्ति जो इस संसार में जन्मा है, मैं चिन्ता नहीं करता कि वह कितने अच्छे घर से आया है, वह यीशु मसीह के लहू का तब तक

दोषी है जब तक वह उसकी क्षमा को स्वीकार ना कर ले। और केवल एक ही विधी है कि आप जान ले क्षमा ठीक है, जब चिन्ह स्वयं आप पर आ जाए, और आपके पास चिन्ह हो।

46 ध्यान दें, आप दोषी हैं, और आप सबसे अच्छा वकील ढूंढेगे ताकि आप अपना मुकदमा लड़ सके। और यदि मैं परमेश्वर के न्याय के सामने जा रहा हूं, तो मैं कोई पादरी नहीं चाहता, मैं किसी मनुष्य को नहीं चाहता; मैं सबसे अच्छा वकील चाहता हूं जो मैं ढूंढ सकता हूं कि मेरा मुकदमा लड़े।

47 मेरे मसीही मित्र, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं। हमारा वकील भी हमारा न्यायाधीश भी है, और हमारा—हमारा न्यायी हमारा वकील बन गया। जब हमने उससे क्षमा को पा लिया तो हमारा मामला तय हो गया। न्यायी स्वयं नीचे आकर वकील बन गया, और वकील और न्यायाधीश एक ही व्यक्ति है। परमेश्वर मनुष्य बन गया, ताकि वह अपनी मृत्यु से मनुष्य को धर्मी ठहराये जो उसने अपने ऊपर ली। हाल्लेलुय्या! इसका अर्थ है, "हमारे परमेश्वर की महिमा हो!" वह सारी महिमा के योग्य है। हमारा न्यायाधीश और वकील एक ही व्यक्ति है।

48 पवित्र आत्मा चिन्ह है कि हम क्षमा कर दिए गए है। और मामला बंद कर दिया गया है। प्रत्येक पुरुष और महिला जिसने वास्तव में पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पा लिया है, वह परखा जा चुका है, वह अपने वकील के साथ जज के साथ, उसके बलिदान के साथ प्रमाणित कर दिया गया है, और चिन्ह उसके कब्जे में है वह यह दर्शाता है कि उसकी यात्रा का भुगतान महिमा में कर दिया गया है। आमीन। यह पूरा हो गया है। वह इस चिन्ह को थामे हुए है। यह उसका है, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, जो कि यीशु के जी उठने की गवाही है। आमीन। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यही आपकी पहचान है, आप चिन्ह को पकड़े हुए हैं।

49 अब यदि आपके पास वो चिन्ह नहीं है, तो आप भीतर नहीं आयेगे। आपके पास चिन्ह होना ही चाहिए। यही मांगा हुआ मूल्य है, "जब मैं लहू को देखता हूं, तो लहू चिन्ह है। जब मैं लहू देखता हूं, मैं तुम्हे छोड़ जाऊंगा।" तुम्हारे पास चिन्ह होना ही चाहिए। यदि आपके पास नहीं हैं, क्यों, आप नहीं जायेंगे। आपके पास चिन्ह होना ही चाहिए।

50 यदि टोकन प्रदर्शित नहीं किया गया, चिन्ह नहीं दिखाया गया वहां पर, तो वाचा भी प्रभावी ना होगी। आप कहते हैं, "अच्छा, अब, भाई ब्रंहम, अब जरा एक मिनट रुकिए।" यह बिल्कुल ठीक है।

51 चिन्ह वाचा से ऊपर है। क्योंकि इस्राईल के पास खतना करने की वाचा थी, और कोई भी यहूदी बाहर जा सकता था और किसी भी व्यक्ति को दिखा सकता था, "मैं तुम्हें सिद्ध करके दिखा सकता हूं कि मैं खतना वाला हूं, मैं एक यहूदी हूं, मैं यहोवा की आज्ञा के अनुसार खतने वाला हूं," परन्तु फिर भी वह उससे निकाला नहीं गया यदि वहां चिन्ह भी नहीं होता। उसे चिन्ह को दर्शाना ही था। अब समझे आप? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वह... चिन्ह को वहां होना चाहिए। जो भी हो और यदि आप वाचा में हैं... यदि कोई यहूदी कहेगा, "मैंने अपने दरवाजे पर लहू नहीं लगाया है, मैं सिद्ध कर सकता हूं कि मैं वाचा वाला यहूदी हूं," मृत्यु का दूत उसे मार डालता। इससे कोई मतलब नहीं कि वह कितना ईमानदार था, वह कलीसिया का कितना सदस्य था, उसने कितना दशमांश दिया है, कितना वह कहे कि उसने यहोवा पर विश्वास किया है; यहोवा की मांग वह चिन्ह है।

52 और वह आज भी यही करता है। यह होना है। यह होना चाहिए, "क्योंकि स्वर्ग के नीचे इसका कोई दूसरा मार्ग नहीं है, दूसरा नाम किसी तरह नहीं दिया गया," कोई सन्देह नहीं कितना अच्छा, कितना ईमानदार। उस चिन्ह को वहां होना चाहिए, और प्रदर्शित हुआ हो।

53 आप कहते हैं, "लहू" "भाई, मैंने मेमना मारा और उसे बर्तन में रखा। मैंने उसे वहां पीछे रख दिया है।" उसने ऐसा नही कहा। उसे तो चौखट पर होना चाहिए और दरवाजे के स्थान में। इसे प्रदर्शित किया जाना है।

54 और आपका जीवन इसे प्रदर्शित करे कि चिन्ह आपके अन्दर है। ओह, तुम पेंटीकोस्टल लोगो, तुम्हारे साथ क्या गडबड है? कटे हुए बाल, रंगे हुए चेहरे, पुरुष, गंदे चुटकुले और आदि–आदि, वह लहू का प्रदर्शन कहाँ है मेरे प्रभु यीशु मसीह का चिन्ह है पवित्र आत्मा का? तुम, भक्ति का भेष धरते हो, और "जादूगरी" कहते हो और सब प्रकार की बाते, परमेश्वर के कार्य, "जादूगरी।" आप चिन्ह को कैसे प्रदर्शित करते हैं?

55 वे कहते हैं कि, "मैं पेंटी–... " मैं चिन्ता नहीं करता कि आप क्या हैं। "मैं बैपटिस्ट हूं। मैं प्रेसपि–... " मैं चिन्ता नहीं करता आप क्या हैं। चिन्ह

को वहां होना चाहिए। यह परमेश्वर की मांग है, और कुछ नही केवल यही।

56 आप कहते हैं, "मेरे पास एक डॉक्टर की उपाधि है।" मैं चिन्ता नहीं करता कि आपके पास कितनी डिग्रियां हैं। परमेश्वर की मांग वह चिन्ह है, और केवल वही। यह इस बात का चिन्ह है कि आपकी यात्रा का भुगतान हो गया है। वह आपके प्रमाण पत्र लेने नहीं जा रहा है या कुछ और। उसे तो वह चिन्ह चाहिए।

57 बस चालक कहता है, "यहां, एक मिनट प्रतीक्षा करे, यह मेरा चिन्ह नहीं है।"

58 हवाई जहाज का व्यक्ति कहता है, "अब आप वहां बाहर निकल जाए।" एक टिकट ही एक चिन्ह है। आप वहां जाए और पायलट को बताए, "मैं आपके हवाई जहाज पर चढ़ना चाहता हूं। इसका क्या दाम है? "

"अंदर जाए और अपना चिन्ह ले।"

"ओह, मैं तुम्हे भुगतान कर दुंगा।"

59 "मैं इसे नहीं ले सकता। आप जब तक दाम नहीं चुकाते मेरे जहाज में नहीं आ सकते और चिन्ह ले। मैं चिन्ह के लिए देख रहा हूं।"

आप कहते हैं, "मैं स्कूल गया। मैंने *यह* किया। मैं... "

60 मैं चिन्ता नहीं करता आपने क्या किया है, आपके पास चिन्ह होना चाहिए या आप अन्दर नहीं आ सकते। आमीन और आमीन। क्या आप इसे नहीं देख सकते? परमेश्वर वह चिन्ह मांगता है। "जब मैं लहू को देखता हूं, और तब ही केवल मैं आपको छोड़ जाऊंगा जब मैं चिन्ह देखता हूं।"

61 यह प्रदर्शित नहीं किया गया था, वाचा भी प्रभावी नहीं हुई थी। एक यहूदी पूरी तरह से कह सकता था और स्वयं को सिद्ध कर सकता था, कि वह खतने वाला यहूदी है, वह भाइयों को अलग ले जा कर और कहता, "यहाँ देखिए, मेरा खतना हो गया है।" इस बात का कोई अर्थ नहीं है।

62 आप कहते हैं, "मैं मेथोडिस्ट हूं। मैं बैपटिस्ट हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं। मैं *यह* हूं। मैं *वह* हूं।" इस बात का कोई अर्थ नहीं है।

63 आपके पास चिन्ह होना ही है। और जब चिन्ह आता है, यह मसीह की गवाही देता है। उसने कहा वह देगा। और मसीह वचन है। बाईबल सत्य है आप कैसे इन्कार कर सकते हैं, इसका भाग, और अब भी आप कहते हैं

कि आपके पास चिन्ह है, जब कि चिन्ह यीशु मसीह की गवाही है? समझे, इसमें कोई आश्चर्य नही।

64 "ओह," कहते हैं, "मैं विश्वास नहीं करता, मैं विश्वास करता हूं कि आश्चर्यकर्मो के दिन... " ओह, वहां देखो, वहां कोई चिन्ह नहीं है। चिन्ह हर एक शब्द पर "आमीन," बोलता है, हर चीज, क्योंकि यह स्वयं परमेश्वर है। समझे? ठीक है।

65 लेकिन यदि टोकन वहां नहीं था, तो वाचा प्रभावी नहीं होती। वह निरस्त थी। वैसा ही अब है! कोई मतलब नहीं आप कितना—कितना कहते हैं, आप कितना कहेगे, "मैं हर एक वचन का विश्वास करता हूं जो बाईबल में है," कहते है, "भाई ब्रन्हम, मैं—मैं आपको आधी बाईबल याद की हुई सुना सकता हूं। सारी बाईबल याद करके मैं हर बात का विश्वास करता हूं।" यह अच्छा है। शैतान भी यही करता है। ओह। यह चिन्ह लेता है!

66 "तो, भाई ब्रन्हम, मेरी दीवार मेरी डिग्रियों से भरी हुई है। मैं कला में स्नातक हूं, मेरे पास डॉक्टर की डिग्री है, और लैटिन की एलएलडी. है। और, ओह, मैंने किताबें लिखी हैं। मैंने यह किया है। मैंने सब कुछ किया है। मैंने—मैंने यह सारी चीजे की है।" मैं चिन्ता नहीं करता। यह ठीक है, परन्तु फिर भी आपके पास चिन्ह होना चाहिए। वह चिन्ह, अब भी चिन्ह मांगा गया है!

67 आप कहते हैं, "मैं बाईबल का विद्यार्थी हूं। मैं एक—मैं एक अच्छा व्यक्ति हूं। मैं *यह* हूं, *वह* हूं।" यह अच्छा हो सकता है, यह सब अच्छा है, परन्तु फिर भी चिन्ह को लेना है!

68 अब, मृत्यु मिस्त्र पर कभी भी वार कर सकती है, और इसी प्रकार अब मृत्यु राष्ट्र पर किसी भी समय वार करने को तैयार है।

69 एना जीन, मुझे आपके पिता के समान अनुभव होता है, एक बार एक टिप्पणी को कहा। मुझे यह सदा से पसंद है। उन्होंने कहा, "आप जानते हैं, यह राष्ट्र, उन्हीं पापों के साथ, यदि परमेश्वर अमेरिका को वही करने दे जो वह कर रहा है, तो उसे सदोम और अमोरा को जिला कर क्षमा मांगनी चाहिए कि उन्हें जला दिया।" और यह सही बात है।

70 याद रखें, इस्राईल ने जो पाप किए उनका भुगतान उन्होंने किया, और ऐसे ही हम करेंगे। हमें कितनी ढील मिली हैं? अपने हथियार बांध लो!

कलीसिया, परमेश्वर के पास वापस आ जाए! यह बाते भिन्न है यह ना कहते हुए। मैं आपको चेतावनी के रूप में बता रहा हूं। आप विश्वास करते हैं!

71 मृत्यु वार करने के लिए तैयार थी। परमेश्वर ने अपना अनुग्रह और अपनी दया को, सामर्थो के द्वारा और चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के द्वारा उन्हें दिखाया (वैसे ही आज कलीसिया को बाहर निकाल ले जाने के पहले), तब भी वे पश्चाताप करने की इच्छा नही करते और संदेश का विश्वास करने की।

72 देखो, कलीसिया को थोड़ा सा निकाल ले जाने के पहले वहां एक संदेश था। सदा ही ऐसा होना है। अब ठीक वैसा ही। प्रत्येक आत्मिक घटना परमेश्वर की ओर से एक चिन्ह है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] संदेश के समान वहां एक चिन्ह है और तब चिन्ह के बाद सन्देश आता है। परमेश्वर ने मूसा को बताया, कहा, "यदि वे पहले चिन्ह की आवाज को विश्वास ना करे, तो सम्भव है वे दूसरे चिन्ह की आवाज का विश्वास करेगे।"

73 अब, जब आप चिन्हों को होते देखे, और उसके बाद कोई संदेश ना हो, तो यह फिर वही विद्यालय की धर्म शिक्षा है और आगे, यह परमेश्वर की ओर से नहीं था। परन्तु जहां एक चिन्ह दिखाया गया है, एक संदेश इसके पीछे–पीछे आता है। अब देखिए। यीशु दृश्य पर आता है...

74 क्या मैं आपके कान पर जोर से बोल रहा हूं? या यहां माईक पर कौन है, ऐसा लग रहा है कि यह गुंज रहा है। सम्भव है इसका थोड़ा तेज आवाज़ है। मैं चाहता हूं कि आप इसे समझ ले।

75 जब यीशु दृश्य पर आया, उसने लोगों से बहुत कुछ नहीं कहा, हर कोई उसे अपने आराधनालय में चाहता था। "ओह, यह युवा भविष्यवक्ता है, इसे अपने यहां पाकर हम बहुत आनन्दित हैं।" वह बीमारों को चंगा कर रहा था। "ओह, परमेश्वर की स्तुती हो। परमेश्वर ने हमारे मध्य में महान पुरुष को खड़ा किया है।" यह बहुत अच्छा था। इसलिए एक दिन यह उस स्थान पर आ गया जहां... यह उसका चिन्ह था।

76 यशायाह 35 ने कहा कि यह एक चिन्ह होगा। "लंगड़े हिरण के समान उछलेगे," और आदि–आदि, "अंधा देखेगा।" यह एक चिन्ह था।

77 उसने एक मसीह होने के नाते अपने चिन्ह का प्रदर्शन किया, और आदि–आदि। और वे, उनमें से बहुत लोगो ने कहा, "हां, मैं उसके लिए जाऊंगा।" अच्छा, अब, यदि यह एक चिन्ह था, तो उस चिन्ह की कोई आवाज होनी चाहिए। उसके पीछे क्या आवाज थी? जब उसने अपनी शिक्षा देना आरम्भ की और उन्हें घास में सांपों का झुंड कहा। उसके बाद से वह लोकप्रिय नही हुआ, देखिए, जब शब्द चिन्ह के साथ आता है। चिन्ह पहले गया।

78 मूसा मिस्त्र में चिन्ह के साथ गया। और उसने अपनी छड़ी फेंकी और वह सांप में बदल गयी। वह एक चिन्ह था। परन्तु कुछ देर बाद, शब्द चिन्ह के साथ आया। तब यह भिन्न था। देखिए, वे इसको नहीं चाहते। वे— वे इसको नही चाहते, चिन्ह के पश्चात सन्देश आना ही चाहिए। और इसे किसी और समय में कभी नहीं आना चाहिए परन्तु उसी समय में, क्योंकि यह पवित्र लेख के पूरे होने का समय था। देखिए, उसने उसे जलती झाड़ी में उसे क्या बताया, "मैंने गिडगिडाने को देखा और अपने लोगों को सुना है, और मिस्त्र में काम करवाने वालो के द्वारा दिए गए दुःखो को देखा है, और मैंने अपनी प्रतिज्ञा को स्मरण किया है जो मैंने अब्राहम से की थी।" चार सौ वर्ष बीत गए, और उसने अब्राहम को बताया कि वे वहां पर होंगे। देखिए, यह किसी और समय नहीं हो सकता है। मूसा को तब उसी समय पर आना था।

79 परमेश्वर की महान घड़ी बिल्कुल ठीक चलती है। वह एक मिनट भी आगे या पीछे नहीं चलती। यह ठीक अपने समय पर होगी। तो आप देखिए, हर चीज ठीक चल रही थी, किसी और समय में नहीं आ सकता।

80 ना ही यह चीजे किसी और समय में आ सकती थी। यह लूथर के दिनों में नहीं आ सकती थी। यह वैसली के दिनों में नहीं आ सकती थी। बैपटिस्ट या मेथोडिस्ट उनके दिनो में, यह नहीं आ सकती थी। इसे तो अब आना है। इस्राईल को एक राष्ट्र होना है। कलीसियाओ को वैसा ही होना है जैसी वे अब है। तीसरा संदेश होना था, एक तीसरा कलीसियायी युग। वहां एक लौदीकिया होनी थी। जब तक पेंटीकोस्टल नही आते यह नही बनती अपनी गद्दी को मारकर और संस्थागत होने के लिए चल दिए, और वह किया जो उन्होंने किया। तब इसे आना था, तब प्रभु आता है, जब उन्होंने उसे कलीसिया से बाहर निकाल दिया। वह वचन है।

81 वे उस वचन को कहीं भी चुनौती देने के लिए डरते हैं। वे इसके बारे में पूरी तरह शांत हैं, परंतु फिर भी वे इसके लिए झगड़ा करते हैं।

82 अधिक समय नही हुआ शिकागो में, जब प्रभु ने मुझे एक दर्शन दिया। मेरे साथ वहां तीन सौ सेवक थे। मैंने कहा, "अब मैं जानता हूं कि आप क्या... " सर्प वंश के विषय में, और आदि–आदि, मैंने कहा, "आप में से एक जन अपनी बाईबल ले और आकर मेरे बराबर में खड़ा हो और झूठा सिद्ध करे।" इतना शांत झुण्ड कभी नही सुना। मैंने कहा, "तो फिर मेरा पीछा छोड़ो।" देखिए, यह उनके विद्यालय के विचारने से परे है।

83 तौभी, वे कहते हैं, "भाई ब्रन्हम जब अभिषेक में होते है तब वह भविष्यवक्ता होते है, परन्तु जब अभिषेक हट जाता है, ओह, मैं नहीं जानता।" क्या ही... क्या यह एक—एक—एक—एक मिले जुले धर्मज्ञानियो की टिप्पणी नहीं है! वही...

84 *भविष्यवक्ता* शब्द का अर्थ, "वचन का एक दिव्य प्रगटकर्ता।" प्रभु का वचन भविष्यवक्ताओं के पास आता है। इसी प्रकार से यीशु पहचाना गया। और उन्होंने पुनरुत्थान के बाद कहा, उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि वह परमेश्वर का भविष्यवक्ता था," देखिए, "कोई मनुष्य इन चीजों को नहीं कर सकता है, जब तक की परमेश्वर उसके साथ ना हो," तब भी उसके संदेश को नही स्वीकार किया। वे यूहन्ना को स्वीकार नहीं करेंगे, और वह एक भविष्यवक्ता था। वे एलिय्याह को स्वीकार नहीं करेंगे, बाकी उनमें से किसी को भी नहीं, और उनके पास दिव्य प्रकाशन था।

85 वो शब्द, अंग्रेजी शब्द, *भविष्यव्यक्ता*, अंग्रेजी शब्दों का कोई भी अर्थ हो सकता है, इसका अर्थ "एक प्रचारक।" परन्तु जब आप *भविष्यवक्ता* कहते है पुरानी बाईबल के, इसका अर्थ "एक दर्शी।" और उसका प्रमाण पत्र यह था, जो वह बताता था घटित होता, और यह एक चिन्ह था यह एक भविष्यव्यक्ता था; वह भी वह चिन्ह था कि उसके पास लिखित वचन का दिव्य प्रकाशन था। और तब परमेश्वर इसकी पुष्टि करता है, उसके पीछे, इसे सिद्ध किया।

86 कैसे? ठीक है, इसे इसी प्रकार होना है, बस यही बात है। इसके आसपास आने की कोई विधी नहीं है। परमेश्वर ने कहा कि यह इसी प्रकार होगा, और आप उसी स्थिति में है। परंतु आज यह है, देखिए, उस चिन्ह को वहां होना चाहिए, जो उस वचन को प्रमाणित करता है और उसे बिल्कुल

सत्य बनाता है। तब उसने कैसे उसकी प्रतिज्ञा की, उसने अपने प्रतिज्ञा के देश के लोगों को कैसे तैयार किया, अब, जब वह इस निर्गमन को करने जा रहा था, जो कि एक प्रतीक था।

87 अब मैं अगले पंद्रह, बीस मिनट में छोड़ने का यत्न कर रहा हूँ, संदेश के साथ। ध्यान दे, अब बन्द करते है मैं चाहता हूं कि आप इसे समझ ले, क्योंकि हो सकता है मैं आप से फिर कभी ना मिलू, देखिए।

अब ध्यान दें, कैसे उसने अपने लोगों को तैयार किया।

88 कितने लोग जानते हैं कि वह अपनी विधी कभी नही बदलता है? वह कभी नहीं बदलता। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वह... अब बाईबल में से देखिए और समझिए कि उसने इसे कभी बदला है। नहीं, श्रीमान।

89 उसने कैसे लोगो को तैयार किया? उसने एक भविष्यवक्ता को एक चिन्ह के साथ भेजा, जो कि मूसा था। क्या यह ठीक है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] और उस चिन्ह के पास एक संदेश था, एक संदेश था "तैयार हो जाने के लिए," वे उस देश को जा रहे थे जिसकी प्रतिज्ञा की गई थी। तब उसके पास इस भविष्यवक्ता की पहचान थी, कि एक ज्योति उसके ऊपर थी। एक अग्नि का स्तंभ इस भविष्यवक्ता के पीछे–पीछे चला, हम यह जानते हैं, कि जंगल में होकर मूसा के संग चला। हम यह अनुभव करते हैं। और तब उसने आश्वासन के लिए उन्हें एक चिन्ह दिया ताकि उन्हें डरना ना पड़ेगा, सारे परेशान और अधीर; जहां उसने कहा, "जब मैं उस चिन्ह को देखता हूं, तो मैं तुम्हे छोड़ता हुआ निकल जाऊंगा।"

90 ध्यान दे उसने अब कैसे किया। उसने पहले एक चिन्ह तैयार किया, एक संदेशवाहक, प्रमाणित किया हुआ संदेश, संदेशवाहक की पहचान, और आश्वासन के लिए एक चिन्ह कि मार्ग का भुगतान हो गया था। वे प्रतिज्ञा के देश के लिए बढ़ रहे थे।

91 आज वही बात उसने कर दी है! उसने क्या किया है? उसने पवित्र आत्मा को भेजा है। पवित्र आत्मा संदेश लाने वाला है, और पवित्र लेख से स्वयं की पहचान कि वह हमारे मध्य में है, कल, आज और सर्वदा एक सा है। और चिन्ह आश्वासन है। हम किसलिए डर रहे हैं? हमारा किराया पहले ही दिया जा चुका है और हम अपने बलिदान के साथ पहचाने गए हैं। वह

आपको मना नहीं कर सकता। उसने यह प्रतिज्ञा की है। हम पहचाने गए हैं।

92 जैसा कि मैंने कहा इस्राईल मिस्र में से बाहर आ रहा है, जैसे कलीसिया में से वो—वो दुल्हन बाहर आ रही है। जब मूसा ने अपनी सेवकाई आरंभ की, तो सारा इस्त्राईल मिस्त्र के सारे भागो में से गोशेन में एकत्र हुए, प्रार्थना और आराधना के लिए, बिल्कुल, मिस्र के सभी भागों से आते हैं। दुल्हन इसी प्रकार करेगी, यह सारे वननेस, टूनेस, थ्रीनेस, और सब प्रकार में से निकल कर आएगी। इसे आना ही है। इसे करना है। अब हम यहां इब्रानियों में पढ़ते हैं... अब हम, पहली बात जो हमें सोचनी चाहिए, सारे भागों से आए, "अविश्वास के मध्य से बाहर निकल कर आए।" अब पवित्र आत्मा ने बुलाने की प्रतिज्ञा की है कि अन्त के दिनों में, "अविश्वासियों के मध्य में से बाहर निकल कर आओ।" ध्यान दें।

93 हम इब्रानियों 10:26 में पाते हैं, मैंने यहां पर लिखा है, यह यह कहता है, "यदि सच्चाई को जानने के पश्चात हम जानबूझ कर पाप करते हैं, तो फिर पाप के लिए कोई बलिदान बाकी नहीं," देखिए, यदि आप जानबूझकर अविश्वास करते हैं।

94 अब यदि आप ध्यान देगे, मैं यहां क्या कह सकता हूं, यदि आप कुछ समय निकाले, तो मैं एक उदाहरण दूंगा। मैं आत्मा में अनुभव कर सकता हूं, कि ठीक नहीं समझा गया। समझे? ध्यान दें।

95 यहां इब्रानी है, वे अपने मार्ग पर है। परमेश्वर ने बारह मनुष्य चुने, या मूसा ने परमेश्वर के हाथ के द्वारा, कि जाकर देश का भेद लाए; और वापस आए, और देश का एक चिन्ह ले कर आये। और जब वे वहां पहुंचे, उनमें से दस डर के मारे मरे जा रहे थे। "क्यों," उन्होंने कहा, "वे अमालेकी वहां थे, हम उनके सामने टिड्डी जैसे हैं।" यहोशू और कालेब वापस आए, प्रमाण लाए, "हम यह कर सकते हैं!"

96 आप देखिए, यह किनारे के विश्वासी है। वे विभिन्न प्रकार के तत्व से आए, और कलीसिया में से होते हुए, और कलीसिया के सदस्य बनते हुए, और बपतिस्मे और विभिन्न प्रकार से। परन्तु जब वे उस दो राहे पर चिन्ह पाने के लिए पहुंचे, वह प्रमाण कि देश वहां है, वह जीवन... यीशु मसीह मरा हुआ नहीं है। यह दूसरा आयाम है। वह उसमें जीवन है। वह हमारे साथ है, वह अब हम में है। जब यह इस पर आता है, "आह," वे इसका विश्वास

नहीं कर सकते। आप देखिए, यह तो अति हो गई। और वे वापस आए, और वे प्रत्येक, जंगल में मर गए, उनमें से एक भी वहां नहीं पहुंचा। और, देखिए, यदि हम अविश्वास करते हैं, हम मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन!

97 मैं आशा करता हूं कि मेरे पुराने शिक्षक आज यहां बैठे हुए हैं। डॉक्टर रॉय ई, डेविस, आप में से बहुत से उन्हें जानते हैं, ठीक यहाँ फोर्ट वर्थ में, शायद वे यहाँ बैठे हुए है। मुझे स्मरण है, हमने इन बातों पर बहुत वर्षो पहले विचार विमर्श किया था। उसने मुझे बैपटिस्ट मिशनरी कलीसिया के विश्वास में बपतिस्मा दिया था।

98 और अब यहां देखे, यदि हम... यदि—यदि हम उस देश के किनारे तक आते हैं, कहते हैं, "ठीक है, परमेश्वर की महिमा हो, मैं अन्य–अन्य भाषाओ में बोला हूं, हाल्लेलुय्या!" वह यह नहीं है। यदि आप कह सकते हैं, किसी भी वचन का अविश्वास करना, तो आपके अनुभव में कही कुछ गड़बड़ है। समझे?

99 आप उस देश तक आए और देखा कि यह वहां है। आप देखिए कि यीशु जी उठा। वह हमारे मध्य में है। आप वचन को सुनते हैं जो संदेश के पीछे आता है, और फिर भी इसका विश्वास नहीं करते हैं, आप जानते हैं कि क्या घटित होता है? तब वे ठीक वही जंगल में मर गए। "यदि हम जानबूझ कर पाप करते है, सच्चाई का ज्ञान पाने के बाद, तो फिर पाप के लिए और कोई बलिदान बाकी नहीं।" इब्रानी की पुस्तक हमें यही बताती है।

100 और अब देखिए, जैसा कि हम देखते है कि महान अंत समय का चिन्ह पृथ्वी पर हैं, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, हमारे लिए कितनी और चेतावनी होगी कि समय समीप है। अविश्वास को छोड़िए। एक साथ आओ। हमें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए और विश्वास करना चाहिए, और स्वयं को संसार से अलग करना चाहिए।

101 ध्यान दें, वे बस एक साथ जमा होने के लिए नहीं थे और संदेश के विषय में बात करने के लिए। उन्हें उसमें आना था, लहू के नीचे। ना कि आकर कहे, "तुम जानते हो, मूसा ने हमें बताया है, वह संदेशदूत, उसने कहा, उसने हमें बताया है कि हमारे पास लहू होना चाहिए। लड़को, तुम इस विषय में क्या सोच रहे हो? " वह यह नहीं था। मेमने को मारो, और लहू को वहां लगाओ!

102 हम आकर बैठ सकते हैं और वचन से सहमत हो सकते हैं, और सब कुछ, परन्तु वह चिन्ह नहीं है, तो यह हमारा क्या भला करता है? कोई भला नहीं। इसके नीचे आ जाओ। उस लहू के बाहर होने से उसका कोई उत्तरदायित्व नहीं। और वह किसी का उत्तरदायी नहीं, कि चिन्ह के बाहर हो।

103 समस्त परिवार, तब ही सुरक्षित था जब वे लहू के नीचे थे, और चिन्ह को प्रदर्शित किया गया था। समस्त परिवार! क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आज हमें उन लोगो को स्मरण रखना चाहिए। हमारे बालक!

104 और इस नवयुवक–आयू की अर्थहीनता और नाच रॉक–एंड–रोल, और यह चीजें जिनमें से होकर हम निकल रहे हैं, और यहां सारे बीटल्स और आदि–आदि, और क्या आप जानते हैं कि यह सब का बाईबल की पुस्तक में प्रतिनिधित्व करते हैं? प्रकाशितवाक्य में यह कहता है। निश्चय ही, यह करता है। कैसे लोग, वे लोग, वे—वे... वे, वे, देखो, वे, वे नहीं... वे मरे हुए हैं। वे नहीं उठ सकते। वे कभी भी अनंत नहीं थे। वे यहां तक कि विचारो में भी नहीं थे, इसलिए वे नष्ट हो जाएंगे। वे सदा के लिए समाप्त हो जायेंगे, पूर्णत: भस्म हो जायेंगे। उन्हें समय के युगों के लिए दण्ड मिलेगा, जो उन्होंने किया है, परन्तु कोई भी चीज जिसका आरंभ है उसका अंत है।

105 यह वह है जिसका आरम्भ नहीं है, कोई अंत नहीं है। अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है। अनंत जीवन का एक ही रूप, हम उसके लिए संघर्ष करते हैं। ध्यान दें।

106 यहोशू, यहोशू का 2रा अध्याय, विश्वास करने वाली अन्यजाति वेश्या ने सुना था, और उसके परिवार ने, और उन्हें लाल डोरे के नीचे लायी गयी, जो की यहोशू के संदेशवाहको की ओर से चिन्ह था। परमेश्वर के नष्ट करने वाले स्वर्ग दूतो ने उस चिन्ह को माना, और नगर में केवल वही। वहां परमेश्वर की मांग थी, उसके दासो के द्वारा, कि परमेश्वर की यह मांग है इस चिन्ह की, और केवल वही। मैं चिन्ता नहीं करता यदि वह नगर का मेयर था, यदि वह नगर का सबसे पवित्र व्यक्ति था, यदि वे नगर के सबसे बड़े आराधनालय में गए, नगर की प्रत्येक चीज गिर पड़ी, सिवाये उस घर को छोड़। केवल परमेश्वर ने उस चिन्ह को सम्मानित किया।

107 ध्यान दें, यरीहो ने यह सुना था कि परमेश्वर महान कार्यो को कर रहा है, परन्तु उन्होंने उस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया।

108 ऐसे ही आज लोग सुन रहे हैं कि परमेश्वर पिछले कुछ वर्षों से क्या कर रहा है, परन्तु वे उस पर ध्यान नहीं देंगे। यह अनुग्रह और चिन्हों की महान सामर्थ, जैसा कि उसने प्रतिज्ञा की थी, "जैसा यह सादोम के दिनों में था, वैसा ही होगा।" ऐसा ही उसने प्रतिज्ञा की है कि यह बात होगी! ध्यान दे सादोम में क्या घटित हुआ। स्मरण रखें, वहां सादोम में चिन्ह था। परन्तु मलाकी 4 के दूत के, "लोगों के हृदय वापस पेंटीकोस्टल पूर्वजों की ओर लौटाने है, वापस बाईबल पर।" वहां कोई और बाईबल नहीं हो सकती, या कुछ तो और। यह परमेश्वर का संपूर्ण प्रकाशन है।

109 और कोई कहता है, "भाई, मैं *इस* भाग पर विश्वास करता हूं, इसके विषय में मैं नहीं जानता।"

110 परमेश्वर का वास्तविक सन्देशवाहक आपको पूर्णत: चीज की ओर वापस ले जाएगा! समझे? ध्यान दें, पवित्र आत्मा यही करता है, आपको परमेश्वर के प्रत्येक वचन पर वापस लाता है।

111 उसकी दया दिखाई जा चुकी है, अगला उसका न्याय है। उनको यह विश्वास करना ही था कि वे अपने नामधारी के महान भवन के भीतर सुरक्षित है जो कि यरोही में था, परन्तु वे जान गए कि उसने काम नहीं किया।

112 वहां उन में से कुछ होने चाहिए... हो सकता है किसी प्रकार से उन में आ जाए, वहां कुछ लड़के वहां घुस जाये, और बताया कि सब पहले से ठहराये हुए बीज को एकत्र कर ले। और उसने किया... और उसने अपने घर को कलीसिया के लिए उपयोग किया, और संदेशवाहको को उतारा; और तब जो चिन्ह में विश्वास करते थे, उन सब को नगर में से बुलाया।

113 एक महिला उस समस्त महान व्यवस्था में! एक छोटी महिला, और उसकी सारी बदनामी, सम्भवत: नगर के सारे आराधनालयो से निकाली हुई, परन्तु उसने उस संदेशवाहक का विश्वास किया। और उस संदेशवाहक ने चिन्ह, एक निशान छोड़ा, और परमेश्वर ने चिन्ह को मान्यता दी। ऐसा ही आज है। केवल स्मरण रखे, जब परमेश्वर का नष्ट करने वाला क्रोध, जो कि आता है वह बड़ी तंत्र गिर पड़ता है, उस चिन्ह ने उसके घर को

सुरक्षित रखा। ना कि इसलिए क्योकि वह भली स्त्री थी; क्योंकि उसके पास विश्वास था और चिन्ह को व्यवहार में लाई।

114 अब क्या हो यदि वह कहती, "हाँ, वे लोग अच्छे थे, निश्चय ही जो संदेश उन्होंने दिया आनंद पाया, परन्तु, ईमानदारी से, यह एक प्रकार मूर्खता सी लगती है कि डोरा खिड़की से बाहर लटकाऊं, मैं उसे अंदर खींच लुंगी"? यह गिर जाएगा। असफल हो गया होता। परमेश्वर केवल चिन्ह का सम्मान करता है, वैसे ही जैसे जीवन चिन्ह मिस्र में है।

115 यहोशू यीशु का प्रतीक है, क्योंकि *यहोशू* का अर्थ है "यहोवा–बचाने वाला।" वह यीशु का प्रतीक था, वह चिन्ह के निशान के प्रति सच्चा, उसके सन्देशवाहक ने जो प्रचारा। यहोशू उस चिन्ह के निशान के प्रति सच्चा था। वे सारे जो उसके तले थे मिस्र में, बच गए। वे सब जो इसके नीचे थे यरीहो में बच गए थे।

116 मेम्ने का लहू आज के चिन्ह का प्रतीक है, जो कि आज का चिन्ह पवित्र आत्मा है। वे सारे जो इसके नीचे है सुरक्षित है। जो इसके नीचे नही है वे सुरक्षित नहीं। इब्रानियों 13:10 और 20 में, उसे "सदा की वाचा" कहा गया है। पुरानी वाचा एक बात थी, यह नई है, यह "विशेष सदा की वाचा" है।

117 परमेश्वर, परमेश्वर की लहू से बंधी प्रतिज्ञाये, हमें पाप से स्वंतत्र करती है और लज्ञा से, और बाकी के संसार से भिन्न है। आपको भिन्न वस्त्र नही पहनने है; कोई भी भिन्न वस्त्र पहन सकता है। आपको अंदर होना होना है, भिन्नता। वो जीवन भीतर की ओर है; ना की परिधान के पहनने में। "परमेश्वर का राज्य खाना पीना नही था, या चोगे पहनना; परन्तु यह सहनशीलता, भलाई, नम्रता, धीरज, पवित्र आत्मा में है।"

118 अब, प्रतिज्ञा पाप से स्वतंत्र करती है, यह दर्शाता है कि परमेश्वर ने आपके पाप को मान्यता नहीं—नहीं दी। दाऊद ने कहा, "धन्य है वह मनुष्य जिसका पाप परमेश्वर ना गिने।" और परमेश्वर पाप को चिन्ह के ऊपर से कभी नहीं गिनेगा, क्योंकि चिन्ह भुगतान का निशान है जो कि परमेश्वर इसे ग्रहण कर चुका है। और इसके लिए आपके पास चिन्ह है, ... आपके विश्वास ने इसे खरीदा है। और आपके छुटकारे के खरीदने का दाम है, जो कि आपके शरीर में, उसकी आराधना करना और उसकी प्रतिज्ञाओं और सामर्थ को दर्शाना है।

119 *नए नियम* का अर्थ है "नई वाचा।" *लहू* का अर्थ है "जीवन।" नया नियम पवित्र आत्मा की वाचा है, पवित्र आत्मा गवाही को देता है यीशु मसीह के मृतको में से जी उठने की, दर्शाता है कि यीशु ने हमारी ओर से सारी मांगे पूरी कर दी है, और आज जीवित है। वो चिन्ह प्रमाणित करता है कि वह अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार हमारे साथ अपनी पहचान करने के लिए जीवित है। अब कैसे एक मनुष्य बाईबल को पढ़ सकता है और देखता है कि इसकी प्रतिज्ञा की गई है, और देखता है कि मसीह इन अंतिम दिनों में पवित्र आत्मा के रूप में वापस आता हैं और स्वयं को जीवित प्रमाणित करता हैं? यही चिन्ह है। यह चिन्ह है। यह दाम चुका दिया गया है।

120 कभी भी किसी अनुभूति के ऊपर निर्भर ना हो। "मुझे अपनी पीठ पर ठंडा सा चलता अनुभव हुआ। और—और मैंने—मैंने कुछ तो सूंघा; अपने हाथों पर लहू देखा," या कोई तेल। या—या, "मैंने अपने स्नातक की डिग्री ले ली।" या, "मैं आत्मा में नाचा। मैं चिल्लाया। मैं अन्य भाषाओ में बोला।" ये बाते ठीक हो सकती है। इनके विरोध में मेरे पास कुछ नहीं है, परन्तु मैं इस विषय में बात नही कर रहा हूं।

121 मैं चिन्ह के पहचान के विषय में बात कर रहा हूं, यीशु मसीह, जी उठा और अब हम में है, स्वयं को प्रमाणित कर रहा है कि अपने प्रतिज्ञाओं के वचन को आज फिर प्रमाणित करे। आमीन। तब आप और मसीह एक है। परमेश्वर और मसीह एक है। "उस दिन, तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में; मैं तुम में, और तुम मुझ में।" यहां परमेश्वर मानव देह में प्रगट होता है, स्वयं को जीवित दिखा रहा है, दो हजार वर्षों के पश्चात। यह चिन्ह है।

122 यदि आप अंदर नहीं है, जल्दी ही अंदर आ जाओ, मित्रो। कही अधिक देर ना हो जाए। हम नहीं जानते।

123 अपनी उपस्थिति दर्शाता है, नया नियम, वो लहू। और वह अब जीवित है, प्रमाण दे रहा है। और क्योंकि वह है, हमारे पास सारे अधिकार है उसने हमारे लिए खरीदा है। एक व्यक्ति जिसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिला, या एक स्त्री जिसे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिला है, उसके पास हर चीज का अधिकार है जो यीशु ने हमारे लिए खरीदा है, क्योंकि यही चिन्ह है जो हमारे पास है। यह खरीदने की सामर्थ है।

124 उदाहरण के लिए मान लीजिए आप कहते हैं, "अच्छा भाई ब्रन्हम,

आपका क्या अर्थ है? ”

125 यहां, अब इसे स्पष्ट कर दू, और मैं चाहता हूं कि आप बीमार लोग इसे समझ ले। देखिए, यदि मैं भूख से मर रहा हूं, और मैं जानता हूं कि एक रोटी, मान लीजिए उसकी कीमत पच्चीस पैसे हैं, और एक भाई आए और कहे, “यह पच्चीस का सिक्का है, भाई ब्रन्हम। आप भूखे मर रहे हो; यह पच्चीस पैसे ले लो।” अब, आप जानते हैं, कि इसे पाकर मैं अपने हाथ में ले कर इतना प्रसन्न हो जाऊंगा जैसे मैं रोटी को हाथ में लेकर हो सकता हूं, क्योंकि उसका दाम मुझे मिल गया है। मुझे चिन्ह मिल गया है जो रोटी ले सकता है। और ठीक वहां पर रोटी है; और केवल मैं एक चिन्ह थामे हूं, वह पच्चीस पैसे जो रोटी मोल लेता है, मैं चिन्ह के साथ उतना ही प्रसन्न हूं जितना रोटी के साथ हो सकता हूं।

126 अब, यदि आपको पवित्र आत्मा का बपतिस्मा मिल गया है, यही वह चिन्ह है कि आपके पास हर छुटकारे की चीज है कि यीशु आपके लिए मरा, आपका है, यह आपके हाथ में है। क्या आप इसका दावा करने में डरते हैं?

127 और यदि आप इसे मेरी जेब में डाल कर कहे, “तो, मैं नहीं जानता कि मैं उस रोटी को ले सकता हूं या नहीं,” मैं भूखा मर जाऊंगा। परन्तु स्मरण रखें, व्यापारी कहता है, “मेरी एक मांग है, श्रीमान ब्रन्हम। पच्चीस पैसे का एक सिक्का आपको रोटी मिल सकती है।” मुझे मिल गई! आमीन। यह तय हो गया।

128 यही कारण है कि बहुत सी की गई चीजे आज हम नहीं देखते, चिन्ह प्रदर्शित नहीं किया गया, वास्तविक चिन्ह। ओह, हमारे पास सब प्रकार के झूठे है, परन्तु मेरा अर्थ वास्तविक से है।

129 देखिए, जब हम यह अनुभव करते हैं और चिन्ह को उपस्थित करते हैं, वह जीवन जिसने इसे चिन्ह के लिए लिया है, लहू हमारे लिए बोलता है। स्मरण रखें, वाचा का लहू चिन्ह के साथ पहचाना गया था, और वचन हमें प्रतिज्ञा का आश्वासन देता है। चिन्ह इस बात का निशान है कि हमारे लिए मोल लिया गया है।

130 अब, यदि आप उसमें शामिल नहीं हैं, तो, फिर निसन्देह, आपको कभी कुछ नहीं मिलेगा; आप केवल प्रार्थना पंक्ति में चलकर निकल रहे है;

वापस जा रहे है, चलते हुए वेदी तक आ रहे है, और देख कर वापस जा रहे है।

131 परन्तु, ओह, भाई, जब चिन्ह एक बार आपके—आपके—आपके हृदय में रख दिया गया है, और आप जानते हैं कि यह यीशु मसीह का पुनरुत्थान आपके अन्दर है, तो कुछ हो रहा है। तो आपको कोई चीज भी चीज वापस नहीं ले जा सकती। आप जानते हैं कि आप कहां से हैं। परमेश्वर के समस्त वचन की पूरी आज्ञाकरिता आपको चिन्ह के लिए दावेदार बनाती है, और कुछ भी नहीं। "धन्य है वह जो उसकी सारी आज्ञाओं का पालन करता है, उसके पास जीवन के वृक्ष का अधिकार हो सकता है।"

132 तब, जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हमारे पास उपस्थित करने के लिए हमारी प्रार्थनाओं के साथ चिन्ह होना चाहिए। अब इसे लेने में असफल ना हो। जब आप प्रार्थना करे, तो आपके पास अपनी प्रार्थना के ऊपर थामे रखने के लिए चिन्ह होना चाहिए; यदि आप नहीं है, तो आप प्रार्थना करे जब तक कि चिन्ह नहीं आए, क्योंकि आपके पास इसे पाने के लिए प्रतिज्ञा नहीं है। देखिए, पहले आपके पास चिन्ह होना चाहिए; यह चुकाने का दाम है, आपका भरोसा इसका विश्वास करने के लिए।

133 अब, अब पूरी आज्ञाकारिता का संकेत। डर चला गया। पौलुस हमें यह बताता है कि, "लहू अच्छी बातें बोलता है।"

आप कहते हैं, "लहू बोलता है? " जी हां, लहू बोलता है।

134 उत्पत्ति 4:10 में, हम पाते हैं कि परमेश्वर ने कहा है कि—कि कैन का... याने, "हाबिल का लहू पृथ्वी पर से बोला।" हम इब्रानियों 12 में पाते हैं, कि, "मसीह का वाचा का लहू हाबिल के लहू से उत्तम बाते कहता है।" समझे? हम पाते हैं, कि लहू बोलता है, यह आपके बदले में बोलता है। जो जीवन आप में है, वह बहाए गए लहू में से बोलता है। आमीन। ओह, भाई! मैं चाहता हूं कि हर कोई इसे देख सके। समझे? यदि आप देख सके कि यह क्या है, तो यह वो जीवन है जो आप में है। देखो, लहू इसे आपके साथ प्रमाणित कर रहा है। यह चिन्ह है। यह... यह क्या है, लहू आपके लिए बहाया गया है; आपने स्वीकार किया है, और जीवन आपमें आ गया है। आपके पास चिन्ह है, यह पवित्र आत्मा है।

135 तब जब हम प्रार्थना करते हैं, तो हमारे पास सामने रखने के लिए चिन्ह होना चाहिए, कि प्रार्थनाओं के साथ रखे, जैसा कि मैंने कहा, और अब

अपने लिए विश्वास करें और अपने समस्त परिवार पर लागू करें, जैसे कि मिस्त्र, यरीहो, या फिर प्रेरितों के काम 16:31 में। हम पाते हैं कि पौलुस ने रोमी सूबेदार को बताया कहता है, "तू विश्वास कर, और तेरा सारा घराना बचेगा।" अपने परिवार पर लागू करें। यदि आपके पास ऐसा बालक है जो बचा नही है उसके ऊपर अपना चिन्ह रखें, कहे, "प्रभु परमेश्वर, मैं इसका दावा करता हूं।" वहीं टिके रहे। यदि आपकी मां या कोई प्रिय जन है जो कि खोया हुआ है, तो उन पर टोकन रखे, कहे, "प्रभु परमेश्वर, मैं इसका दावा करता हूं।"

136 सारे सांसारिक कूड़े को बाहर कर दे अपने घर से बाहर, इसके लिए तैयार हो जाए। अपने छोटे पहनावे जला दे। अपनी ताश की मेज को फेंक दे। अपनी सिगरेट से पीछा छुड़ा ले। अपने अविश्वास को और अपने कलीसिया के कागजों को कूड़ेदान में डाल दे, वे जहां के हैं। आमीन। तब आप तैयार हो रहे हैं। तब क्या करें? तब चिन्ह को प्रार्थना में लागू करें, वास्तविक प्रमाण के साथ, वास्तविक विश्वास के साथ। इसे लागू करें, भरोसे के साथ लागू करें। जब आप चिन्ह लागू करते हैं, यह जान लें की आप शुद्ध हो गए हैं। "यदि हमारा ह्रदय हमें दोषी ना ठहराए, तब हमारी मांग होती है।"

137 जब तक आप लोग वह गलत बातें कर रहे हैं, तो फिर आप परमेश्वर से कैसे मांग सकते है कि वह आपके लिए कुछ करे जब कि आप जानते हैं आप गलत हैं? यही कारण है कि हम बस आगे पीछे लडखडाते हैं। मैं यह चोट पहुंचाने के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं यह सही करने के लिए कह रहा हूं, कि चीजे ठीक हो। आप कैसे सादोम और अमोरा की राख पर यह बनाने जा रहे हैं? वापस आए!

138 संगठन और सेवक लोग, लोगों को कुछ भी करने देते है, और संग रखते है और अपने नाम पुस्तक में लिखते हैं और उन्हें *यह, वह,* और *कुछ* और कहते हैं, जब कि यह अशोभनिय है। और यह ऐसा इसलिए है कि विश्वास कुछ ऐसा है जो कि यहां तक कि... कभी–कभी यह भी समझ नहीं आता कि यह है क्या। उन्हें, उनके पास एक आशा है, परन्तु विश्वास नहीं।

139 आपको वही वापस जाना ही है, हर एक चीज जांची गई है और साफ कर दिया गया है। तब अपना चिन्ह ले, जो कि आप जानते हैं कि यह यीशु

मसीह आप में है, तब इसे लागू करें। यदि कुछ घटित नहीं होता, तो वहां कुछ गडबड है; फिर से वापस जाएं, गलत चीजो को अपने हाथ में ले। उसने यह प्रतिज्ञा की है। वही है जिसने इसकी प्रतिज्ञा की है। इसे लागू करें। कभी तो, इफिसियों 2:12 पढ़ें, यदि आप—यदि आप चाहे तो, और आप इसे वहां पाएंगे।

140 इब्रानियों 9:11 में भी ध्यान दें। पौलुस ने कहा, "जीवित परमेश्वर की सत्य वाणी के साथ सेवा करे।" इस प्रकार से ना कहते हुए जैसे इब्रानी जाया करते थे मैं जाऊंगा अपना बलिदान ले कर, और अपने राह पर वापस आऊंगा, एक बड़े मोटा बैल लेकर, और अपने हाथों को उस पर रखेगा और अपने को प्रमाणित करेगा, और लहू बहा, वापस धर्मी ठहर कर गया। यहोवा ने यह मांगा है। उसने यह किया। तब अगली पीढ़ी, सम्भव है वे थोडे और ठंडे पड़ जाए; कोई भी, थोड़ा और ठंडा। पहली बात जो आप जानते हैं, यह एक पारिवार की रीति बन जाती है।

141 यही है जो पेंटीकोस्टल हमारे लिए हो गए, एक पारिवार की रीति। हम नीचे उतर कर कहते हैं, "क्या टेलीवीजन का कार्यक्रम आज रात्री अच्छा नहीं था? सोचता हूं कि उन्होंने आराधनालय में क्या किया? प्रभु यीशु, चंगा कर... " ओह, दया हो! समझे? यह पारिवार की रीति है... "आप जानते हैं, मैं अन्य भाषाओं में बोला हूं उस दिन। आप जानते हैं कि मैं *इसमें*, *उसमें* हूं। हूं–हुंह।" ओह, यह पारिवार की रीति है!

142 आप जानते हैं कि परमेश्वर ने क्या कहा? परमेश्वर ने कहा, "कि तुम्हारी चर्बी और मेढे मुझे दुर्गध से लगते है। यह ठीक बात है, तुम्हारे बलिदान सड़ाहट हो गए हैं।"

143 और इसी प्रकार से पेंटीकोस्टल बलिदान, और हमारे सारे नामधारी सम्बन्धी काट–छांट और ऐसा करते रहना, और हमारी महिलाए और पुरुष जैसे करते हैं, कर रहे है, भक्ति का भेष; संगीत चलने दो, और कोई ऊपर – नीचे कूद रहा है थोड़ी देर के लिए; और यही सब कुछ है, जैसे कि उन पर पानी की बाल्टी उड़ेल दी है, यदि परमेश्वर का वचन सामने आता है और कुछ कहता है। तो क्या मामला है? आपके बलिदानों से यहोवा के सन्मुख बदबू देने लगते है।

144 और यह उस समय पर था कि यशायाह दृश्य पर आया, और उन्हें बताया, "मैं तुम्हें एक अनन्त चिन्ह दूंगा, एक कुंवारी गर्भवती होगी।"

देखिये, आप वही पर है। ना कि कार्यो के प्रकार और मतसार, नहीं; बल्की जीवित देववाणी, एक जीवित परमेश्वर जो मरे हुओं में से जी उठा है, और हमारे मध्य में रह रहा है।

145 उनमें से कुछ कलीसियाये ऐसी है जो इस बात का विश्वास करती है, वे इस प्रकार की बात का इनकार करती हैं जैसे चिन्ह। जैसे, एक व्यक्ति ने मुझे बताने का यत्न किया, "केवल बारह प्रेरितों ने ही पवित्र आत्मा को पाया। बस यह वही था। जी हां।" ओह!

146 परन्तु हम जो वचन का विश्वास करते हैं, अन्तर समझते हैं, हम जानते हैं कि यह जीवित उपस्थिति है। क्योंकि हम कैसे जानते हैं कि यह मसीह की जीवित उपस्थिति है, वह आत्मा जो हमारे मध्य में है? यह वही कार्य करता है जो वह करता है। यही इसका प्रमाण है। एक दाखलता जो फल वह लाती है उससे जानी जाती है। और तब यदि वह पहली दाखलता आयी और उन्होंने अपने बाद प्रेरितों के काम की पुस्तक लिखी, और वही बाते जो यीशु ने की, प्रेरितों ने की; तब जब वह दाखलता आती है, वह वही कार्य करती है। देखिए, इब्रानियों 13:8 कहता है कि वह एक सा है, ओह, प्रभु, यह सिद्ध करता है कि परमेश्वर ने उसे हमारे लिए जिलाया, आपने प्रतिज्ञा किए गए वचन के अनुसार। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

147 प्रतिज्ञा की एक छाप! इफिसियों 4:30 कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से कि तुम पर तुम्हारे छुटकारे के दिन तक के लिए छाप दी गयी है।" अगली बेदारी तक नहीं। "तुम्हारे छुटकारे के दिन तक के लिए!" इसमें बपतिस्मा लेने के द्वारा पहले कुरिन्थियों 12 के अनुसार। और उसमें सारी परिपूर्णता है, और उसमें कोई पाप नहीं है। "वह जो परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है पाप नहीं करता। परमेश्वर का बीज उसमें बना रहता है, और वह पाप नहीं कर सकता।" वह कैसे कर सकता है, जब कि चिन्ह वहां पर है? चिन्ह इस बात का संकेत है कि वह ग्रहण कर लिया गया है।

148 और, भाई, आप कहते हैं, "मैं पाप करता हूं।" तो फिर, आपके पास चिन्ह कभी नहीं था। समझे?

149 चिन्ह वह रुकावट है, जो दर्शाता है कि दाम चुका दिया गया है। यदि शैतान आपको देने का यत्न करता है... जरा इस पर सोचिए। यदि शैतान आपको कोई बीमारी देने की यत्न करता है, या आपको कुछ देने का यत्न

करता है, तो आप जानते हैं कि क्या करना है? उसे अपना चिन्ह दिखाओ। निश्चय ही, बीमारी मसीही पर वार करती है। उसे चिन्ह दिखाये, और उसे सिद्ध करें कि आप उसके मोल लिए परमेश्वर के उत्पादन हैं। "शैतान का सामना करो, और वह आपके पास से भाग जाएगा।" अपने ना हिलने वाले विश्वास के ऊपर चिन्ह को थामे रहे जो उसके वचन में प्रतिज्ञा की गई है।

150 एक समय परमेश्वर ने मेघधनुष का निशान चिन्ह के लिए दिया। मैं बंद कर रहा हूं। मेघधनुष का निशान चिन्ह के लिए दिया। मेरे पास केवल दस मिनट है, और तब प्रार्थना पंक्ति। वह सदा उस चिन्ह के प्रति सच्चा रहा। क्या वह रहा? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वह अब भी है। यह सारे हजारों वर्षों में, वह उसे दर्शाने भी कभी भी असफल नही हुआ। वह उस चिन्ह के प्रति सच्चा था, हमें यह दर्शाता है कि वह सदा... और कभी भी अपने चिन्हों को सम्मान देने में असफल नहीं होगा। मैं चिन्ता नहीं करता यदि यह...

151 यदि यीशु दस हजार सालो तक ना आए, आपके पास चिन्ह है, उससे अब उसे सम्मान देना है। कोई मतलब नहीं कितनी ही चीजें बदल जाए, और जो भी हो, उसे उस चिन्ह को सम्मान देना है। उसने कहा है वह देगा। ठीक है। वह हमसे आशा करता है कि अब हम उसके चिन्ह का प्रदर्शन करें, अपने विश्वास पर जो परमेश्वर द्वारा दिया गया है, प्रत्येक अविश्वास के सम्पद्राय पर जो राष्ट्र और संसार में है, जो विश्वास करते है कि चिन्ह और अद्भुत कार्य विश्वासियों में नहीं होते। और चिन्ह के प्रति सच्चे रहे, और यह ये दर्शाता है कि किराये का भुगतान किया जा चुका है और हमें पुनरुत्थान के लिए, ग्रहण किया जा चुका है, चिन्ह को रखना, जीवन हमारे अन्दर है।

152 यह सन्देश काटने वाला है, परन्तु यह सत्य है। और आज हमें इसकी आवश्यकता है, सत्य की। परमेश्वर जानने में हमारी सहायता करें। "तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।" मैं दावा करता हूं कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर पवित्र आत्मा को एक चिन्ह के समान देखता है, ठीक अभी, निर्गमन के थोड़ा सा पहले, दुल्हन के—के कलीसिया से बाहर आ रही है।

153 मैं जानता हूं कि इनती गडबड है, और लोग कहते हैं कि वे चिल्लाए, वे भाषाओं में बोले। मैं उन बातों में विश्वास करता हूं; परन्तु आप उस पर निर्भर नहीं कर सकते। आप कैसे इस पर निर्भर हो सकते हैं, और वचन

का इन्कार करे? समझे?

154 चिन्ह वचन आप में पहचाना गया, स्वयं में रह रहा है। यह परमेश्वर स्वयं अपना अनुवाद कर रहा है। आपको यह नही कहना है, "भाई, अब, आप मेरी भाषा का अनुवाद करें।" यह वह नहीं है। वह आपके जीवन का वचन के द्वारा अनुवाद करता है। जब वह आपका वचन लेता है, जो आप हैं, और अपने वचन को आपके द्वारा पहचान करवाता है, वहां अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती, यह पहले ही वहां है। परमेश्वर अपना अनुवाद स्वयं करता है, और आज के लिए हमारे पास यह प्रतिज्ञाये हैं।

155 ओह, डलास, तुम मसीहों का प्यारा झुंड, आज इस चीज के साथ ना चले जाना, कि जो आपके आस–पास जो हो रहा है, उसे देखते हुए, क्योंकि यह नष्ट होने जा रहा है। उस चिन्ह को व्यवहार में लाए, उस चिन्ह का दर्शन करे। बाईबल पढ़ें। हर चीज तक आये। और यदि आपकी आत्मा आप में है, "आमीन" नही कहती है, इस पर तो अच्छा हो कि आप वापस आकर, जो आपमें है उसे बदल दे, उस चिन्ह के लिए; आपके पास नहीं है।

156 मैं जानता हूं कि आज दोपहर सारी बातों के कहने का सार यही है। और अब यह साढ़े चार बज रहे है। अब यह समय है, और यदि हम प्रार्थना पंक्ति के साथ पांच बजे बाहर निकल जाए।

157 क्या आप विश्वास करते हैं यीशु मसीह आज जीवित और राज्य करता है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] क्या आप विश्वास करते हैं कि जो मैंने आपको बताया है वह सत्य है? ["आमीन।"] यह चिन्ह है, वह मांग। मैं केवल सत्य को बोल सकता हूं। मैं केवल जो देखता हूं वही बोलता हूं, जो मैं सुनता हूं, जो मुझ पर प्रकाशित किया गया। और मैं यह क्यों कहता हूं, हजारो हजार बार, एक बार भी यह सत्य होने के लिए असफल नहीं हुआ, अब यह तो परमेश्वर ही होना चाहिए। यह परमेश्वर ही होना चाहिए। तो ठीक है, क्या परमेश्वर किसी को इस प्रकार की सेवकाई देगा जो यह नहीं जानते कि वे किस बात के विषय में बात कर रहे है? ["नहीं।"] क्या वह वहां अपने को एक भविष्यवक्ता में पहचान पाएगा, और घूमकर उसे मिलावट का वचन देगा? ["नहीं।"] वह व्यक्ति जो इसका इन्कार करता है, वह वह है जो गडबडा गया। और परमेश्वर गडबडाया नहीं है। परमेश्वर स्वयं अपना अनुवादक है।

158 चिन्ह को ग्रहण करो! किसी भी कलीसिया में सम्मलित था कोई भी प्रकार या कोई और चीज है। चिन्ह ले! इसे थाम लो। केवल यही चीज है जिसे परमेश्वर पहचानेगा। जब आप उस घड़ी पर आते हैं, जब यह आपकी मृत्यु आती है, तो अच्छा है कि आप उस चिन्ह को अपने ऊपर थामे रहे; यह जानते हुए कि उसके आगमन के दिन में, वह पुनरुत्थान, मैं उस चिन्ह को उपस्थित कर सकता हूं। यह इस देह में नहीं होगा, यह सड़ गई; परन्तु इस आत्मा में, जो मर नहीं सकता, यह अनंत जीवन है, वो चिन्ह वहां पर विश्राम करता है। और उसने प्रतिज्ञा की है कि, "मैं उसे अंतिम दिन में फिर जिला उठाऊंगा।"

159 वही यीशु मसीह यहाँ पर है। वह संदेशवाहक है। वह... *यहाँ* पर है यह सन्देश और वह यहाँ सन्देशवाहक है कि अपने सन्देश की पहचान कराए। मैं संदेश लाने वाला नहीं हूं। वह सन्देशवाहक है, और *यह* सन्देश है। और यदि आपकी आत्मा *इसके* साथ सहमत नही होती, तो फिर यह संदेश का ले जाने वाला सन्देशवाहक कैसे हो सकता है? केवल चिन्ह ही इसे पहचानेगा। आमीन।

160 मुझे धार्मिक अनुभुति हो रही है। वास्तव में मुझे हो रही है। मुझे ऐसा लग रहा है कि जैसा कि मैं अभी उड़ जाऊं, क्योंकि मैं जानता हूं कि मैंने किस पर विश्वास किया है, और मैंने अपने जीवन को उसके साथ उसके पुनरुत्थान में पहचाना है। उसकी उपस्थिति यहाँ पर है। मित्रों, इसे स्वीकार कर लो, कृपया कर ले, अपने ह्रदय के अन्दर।

161 मैं जानता हूं कि हम सब सामने वेदी के आस पास आकर प्रार्थना करते हैं। यह मैथोडिस्ट का पुराना विचार है। बाईबल में उन्होंने यह कभी नहीं किया। बाईबल ने कहा, "जितनो ने विश्वास किया बपतिस्मा लिया।" यह ठीक बात है। बाईबल में वेदी पर बुलाने जैसी कोई बात नहीं है। यह कुछ है जो हमने बढ़ाया है, जो कि ठीक है। जिस बात को परमेश्वर आशीषित करे, वह ठीक है।

162 जैसे कि वे कपड़ो का अभिषेक करते हैं। बाईबल में इस प्रकार की कोई चीज नहीं है। "वे पौलूस के देह और कपड़ो से रुमाल छुआते थे।"

163 परन्तु जो भी है आप यह करना चाहते हैं, यह ठीक है, वेदी पर, अपनी जगहों पर, यह जहां कहीं भी हो। केवल बात यह है कि आप इसे लागू करे, अपने लिए चिन्ह। तब अपने आप को देखें, और देखें कि किस प्रकार का

जीवन और क्या चल रहा है, देखिए यदि यह लागू हो गया है या नहीं। यदि यह नहीं, तब जो भी आपके पास है, एक ओर रखिए, और वापस आए, जब तक कि चिन्ह लागू ना हो।

164 आइए हम प्रार्थना करें। स्वर्गीय पिता, हो सकता है मैं—मैं—मैंने कठोरता से बोला हूं, परन्तु, प्रभु, एक कील कैसे थामे रह सकती है, जब तक की आप ही उसे तय ना कर दे? पिता, मैं प्रार्थना करता हूं, कि यह लोगों के ह्रदय में निश्चय हो जायेगा, कि वे इस बात को देखेंगे कि यह कोई जबरदस्ती की चीज नहीं है। यह वह नहीं है कि मैं किसी संस्था को प्रमाणित कर रहा हूं, किसी दावे को, किसी पंथ संप्रदाय को, किसी व्यक्ति, या स्वयं को, या किसी और को नही। यह यीशु मसीह है। "मैं उन सारी संगठनों को एक साथ फेंकता हूं," वे छह में से एक और आधा दर्जन दूसरी है, आपके वचन के अनुसार। "पुरानी माँ वेश्या," बाईबल प्रकाशितवाक्य 17 में, "वह सारी वैश्याओं की माता है।" और वे पुरुष नहीं हो सकते। वे वैश्याये थी, और वे सारी सांसारिकता की खाट पर चली गयी। और हम देखते हैं कि यह हो गया, पेंटीकोस्टल और सारे।

165 परन्तु, यीशु, आप अब भी यीशु हैं। उन्हें कलीसिया के संदेश को ना सुनने दे; परन्तु मसीह के संदेश को, वचन। होने पाए कि आप प्रभु स्वयं को आज विश्वासियों के साथ पहचाने। सारे बीमारों को चंगा करे। हमारे पापों को क्षमा करें, प्रभु। मैं—मैं आपके दास के समान प्रार्थना करता हूं, कृपया मेरे पापों को क्षमा करें, और इन लोगों के पापों को क्षमा करें। प्रभु, मैं विश्वास करता हूं। इनमें से प्रत्येक में कोई संदेह नहीं उन—उन भवन के लिए दान दिया है, और इन्होने अपने पैसे खर्च किए है, और प्रभु उन्होंने—उन्होंने—उन्होंने सब कुछ किया है। ओह परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि इन में से एक भी ऐसा ना हो जो इससे चूक जाए। होने पाए प्रत्येक!

166 मैं—मैं यह ईमानदारी से कर रहा हूं, और तब भी, प्रभु, आपको कठोर होना चाहिए। हम जानते हैं, कि ठीक करना प्रेम है। प्रेम सुधारक है। और मैं प्रार्थना करता हूं। क्योंकि यही कारण है कि आपने अपने लोगों को ठीक सुधारा है, क्योंकि आपने उनसे प्रेम किया, और प्रत्येक पाप का उत्तर दिया।

167 और, पिता, मैं यह प्रार्थना करता हूं कि अब आप हमारे पापों को क्षमा

करेंगे, जैसा कि हम उन्हें स्वीकार करते हैं। प्रभु, हम तो दूर भटक गए थे। मैं इन पेंटीकोस्टल लोगों के संग पहचाना गया हूं, प्रभु। मैं—मैं उनमें से एक हूं। और परमेश्वर मैं—मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप हम सबको क्षमा करेंगे। और इन में से कुछ अगुवो को ले और उन्हें घुमा दे, और—और उन्हें एक बार कलवरी की ओर देखने दे, और तब वे इस बात को भूल जाये इस विषय में कि उन्हें क्या होना है, एक प्रेस्बिटर या एक बिशप, या जो कुछ भी हो, और जानते हैं कि हम इस राज्य में कोई बड़े नहीं हैं। हम सब परमेश्वर के बालक है। मैं प्रार्थना करता हूं कि अब हमारी सहायता करेंगे। आज हमारे मध्य में अपने को प्रमाणित करे। हम यह यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं। आमीन।

168 अब इसके पहले कि हम प्रार्थना पंक्ति को आरंभ करें, सम्भव है यहां कोई हो जो पहले कभी यहां ना आया हो। मैं नहीं जानता हूं कि आप कौन हैं, लेकिन परमेश्वर आपको जानता है। यदि मैंने आपको सत्य बताया है, तो परमेश्वर इसे प्रमाणित करे, कि यह सही है या नहीं, यही इसका प्रमाण है। यदि वह मरे हुओं में से जीवित हो उठा है, वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। उसने यूहन्ना 14:12 में कहा है, "वह जो विश्वास करता है," ना की बनावटी विश्वासी। "वह जो मुझ में विश्वास करता है, जो कार्य मैं करता हूं वह भी करेगा।" क्या यह ठीक बात है?

169 किसी ने कहा, "तुम इससे बड़े–बड़े करोगे।'" यह ठीक बात है। कहा, "भाई, हम सुसमाचार का प्रचार करते हैं, यह महान है।"

170 केवल वही करे जो उसने किए, मुझे यह प्रमाणित हो जाएगा, देखिए, फिर हम महानतम के विषय में बाते करते है। मैं आपको बड़ी–बड़ी चीजे दिखा सकता हूं जो वह अब कर रहा है, तब जो उसने तब किए जब वह पृथ्वी पर था, और यह केवल सुसमाचार का प्रचार करना नहीं था; बल्की वे चिन्हों और अद्भुत कार्यों में है। उसका कोई समय नहीं था। केवल विश्वास करें। और स्वर्ग का परमेश्वर, जिसने यीशु मसीह को मृतको में से जीवित किया, और उसे यहां पर जीवित उपस्थित किया है, हमारे लिए, दो हजार वर्षों के बाद, इस संदेश को प्रमाणित करता है, कि यह सही है। टोकन को लागू करना है।

171 अब, आप लोग जिनको बीमारियां और परेशानियां हैं, केवल सच्चाई से प्रार्थना करें, कहे, "प्रभु, मैं विश्वास करता हूं कि आप 'एक महायाजक है

जो कि हमारी दुर्बलताओं में छुआ जा सकता है।' और हमें यहां इस सेवक के द्वारा बताया गया है, कि आप हमारे साथ उपस्थित है, तब मैं चाहता हूं कि आप हमारे साथ उपस्थित हो और अपने आप को प्रमाणित करे।" अब प्रत्येक प्रार्थना करे।

172 अब यह परमेश्वर पर है कि कुछ कहे। क्या ही समय है! ओह, प्रभु! मैं चाहता हूं कि आप कुछ जान जाए, आपको कैसा लगता हैं जब वह आता है, समस्त संसार आपका है। आमीन। कोई शैतान कुछ नहीं करने जा रहा है, वह हारा हुआ है। मेरा प्रभु उपस्थित है। यह सब हमारे हाथो में है। आमीन।

कृपया वास्तव में शांत रहे। चले फिरे ना। चुपचाप बैठे।

173 आप जो पहिए वाली कुर्सियों पर, और आदि–आदि में है, क्या आप नहीं सोचते कि आप असहाय हैं। विश्वास करे। आप—आप, आप प्रार्थना की पंक्तियों में से निकले हैं, और असफल और असफल रहे हैं। यह सेवक नहीं था जिसने आपके लिए प्रार्थना की, असफल हुआ। यह आपका विश्वास है, और आपने सोचना आरम्भ कर दिया कि आप कुछ भी नहीं करने वाले हैं। आप विश्वास करे।

174 यहाँ, यहाँ पर ज्योति है, यहाँ उस अश्वेत महिला पर जो पीछे बैठी है, अपने हाथों को उठा कर *इस* प्रकार खड़ी है। जी हां। आप प्रार्थना कर रही थी। जी हां। क्या आप मुझ पर उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करती हैं, या उसका दास? मुझे यह नहीं कहना चाहिए, क्योंकि लोग इससे बहुत ठोकर खाते है। आपके पास बहुत अच्छा...

175 यहां एक श्वेत व्यक्ति, और अश्वेत महिला, जैसे कि यह हमारा प्रभु और कुएं पर स्त्री थी, दो विभिन्न जातियां। वह उन्हें बताता है कि जातियों में कोई भिन्नता नहीं है। हमारे रंगों का इससे कोई लेना–देना नहीं है। हम सब... हम एक दूसरे को लहू दे सकते हैं। परमेश्वर ने समस्त राष्ट्रों को एक लहू बनाया है।

176 आपको सिर में दर्द है, भयानक दर्द। और फिर आपके ह्रदय में उस बालक के लिए बोझ है। और आप... यह उत्पीड़ित है। [बहन कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] बिल्कुल यही। क्या यह सत्य है? ["आमीन।"] यह ठीक बात है।

177 यह महिला जो वहां आपके पास से बैठी है, वह आपके साथ पहचानी हुई है, यह आपकी मां है। [बहन कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यह ठीक बात है। ["परमेश्वर की महिमा हो!"] और इनके साथ कुछ तो गड़बड़ है।

178 महिला, क्या आप मेरा विश्वास करती है? [मां कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] क्या आप? आपकी परेशानी है कि आपको एक ओर चोट लगी है। यह ठीक बात है। यह आपके दाहिने ओर आपको चोट लगी है। क्या यह ठीक बात है? यदि यह ठीक बात है तो अपना हाथ उठाये। अब यह आपको और परेशान नहीं करेगा। क्या आप विश्वास करती हैं यदि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप कौन हैं? श्रीमती लोवेल। ["आमीन।"] ठीक है। ["आमीन।"] ठीक बात है, अपने मार्ग पर जाए, प्रभु यीशु आपके निवेदन को आपको देता है।

179 ठीक वहां पर अंत में वहां एक और अश्वेत महिला बैठी है बैठी हुई, देख रही है, यह जैसे—जैसे की वह टुकड़े–टुकड़े हो गई हो। वह ठीक मेरी ओर देख रही है। वह इसका विश्वास करती है। कि, क्या आप उस चीज को ठीक उसके पास नहीं देखते हैं? वह किडनी की बीमारी से परेशान है। यह ठीक बात है। अब यह समाप्त हो गयी है; उसने आपको चंगा कर दिया है। आमीन।

180 आप विश्वास क्यों नहीं करते? "यदि आप विश्वास करे, तो सब बातें संभव है।" क्या आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यहाँ है... अश्वेत लोगों को देखो! श्वेत लोगो, आपका विश्वास कहां है?

181 यहाँ पर एक अश्वेत महिला यहाँ बैठी हुई है, मेरी ओर देख रही है, भारी भरकम महिला। उसके घुटने में परेशानी है। उसको और भी परेशानी है, उसे हृदय रोग भी है। जी हां। और उसे इतनी कमजोरी है, घबराहट और इस प्रकार की बाते, विशेषत: जब आप आराम से लेटना चाहती हैं। समझे? यह कल रात्री हुआ। स्मरण रहे, मैं आपके मस्तिष्क को नहीं पढ़ रहा हूं, परन्तु जानता हूं कि आपने किस विषय में प्रार्थना की है। आप चाहती थी कि आपको आज पुकारा जाए, और उसने आपके लिए उत्तर दिया है। अब आप कठिनता से उठ पाती हैं, क्योंकि आपको गठिया है। यह ठीक बात है। और अब दूसरी बात, आपको पेट में बीमारी है, जो की पेट के भीतर एक मांस का बढ़ जाना है। यह सत्य है। अब क्या आप मुझ पर

उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करती हैं? जो भी है, मैं इसे कहूंगा। विश्वास करे, और आप चंगी हो जाएगी।

182 *आपके* पेट की बीमारी के विषय में क्या है? क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपके पेट की बीमारी को चंगा कर देगा, वहां पर भी बैठे हुए? क्या आप इसका विश्वास करते हैं? ठीक है, तो फिर आप अपने पेट की चंगाई को ले सकते हैं। आमीन।

183 वहां वह महिला अपनी सिगरेट छोड़ना चाहती हैं? क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपकी सिगरेट छुड़ा सकता है? लंबे समय से यत्न कर रही है। आपको भी पेट का रोग है; सिगरेट छोड़ने का यत्न करते हुए। इसी से आपके पेट में बीमारी है। क्या आप उन्हें छोड़ देंगी? मैं उन्हें आपसे अप्रसन्न करता हूं यीशु मसीह के नाम में, क्योंकि आपके विश्वास ने उसे छू लिया।

मैं आपको चुनौती देता हूं कि परमेश्वर पर विश्वास करे!

184 यहां एक छोटी महिला बैठी हुई... अपने प्रिय जन के लिए जो अस्पताल में, कैंसर से मर रहा है, उसके लिए प्रार्थना कर रही है। ठीक है। यह एक चाचा है। यह ठीक बात है। या तो आप... आप किसी सेवक की पत्नी है। आप अपने सारे हृदय से विश्वास करती है, वह मनुष्य ठीक हो जाएगा।

185 मैं आपको चुनौती देता हूं कि परमेश्वर का विश्वास करे! यह क्या है? यह पहचान कि वह यीशु मसीह है। आप कहते हैं, "मसीह क्या है?"

186 वह वचन है। "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में वास किया।" "वचन दोधारी तलवार से भी तेज है, जो विचारों और हृदय की भावनाओं को परखता है।" क्या आप नहीं देख सकते कि इन अन्त के दिनों में वचन हमारे मध्य में आया है? यह पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन को लेकर और यीशु मसीह को पहचान रहा है, जो कि चिन्ह है। आमीन। क्या आप विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, आमीन।"—सम्पा।]

187 कितनों के पास प्रार्थना पत्र है? जिनके पास प्रार्थना पत्र है वे सब *इधर* की ओर आ जाए, *यहां* इस पंक्ति में खड़े हो जाये। सारे वहां उस ओर खड़े हो जाये, यहां इस गलियारे में खडे हो जाए। नहीं, यहां दाहिनी ओर गलियारे में, कृपया, ठीक वहां। भीतर ले जाने वाले, अपने स्थान पर आये।

तब जब वे आते है तो दूसरे खड़े हो जाए, उनके आने के पश्चात, तब ऐसे ही दूसरी ओर। अब हर कोई श्रद्धा भाव में हो।

188 पवित्र आत्मा ने सभा अपने हाथ में ले ली है, इसलिए काफी कहा जा चुका है और सिद्ध करने के लिए किया गया है। कितने विश्वास करते हैं कि वह यहां पर है? कितने विश्वास करते हैं कि यह चिन्ह है? कितने विश्वास करते हैं कि यह वचन है? [सभा आनंद करने लगती है—सम्पा।] देखिए, कितने जानते हैं कि इब्रानियों की पुस्तक ने कहा है, कि, "परमेश्वर का वचन विचारो और जो हृदय में होता है उसे परखता है"? कितने यह बात जानते हैं? कितने जानते हैं कि यही कारण था कि यीशु उनके विचारो को जो उनके हृदय में थे जान सका, क्योंकि वह वचन था? कितने इस बात का विश्वास करते हैं? कितने विश्वास करते हैं यही बात जो उन भविष्यद्वक्ताओ के साथ थी? वे ही वे लोग थे जिनके पास वचन आया। अब यदि वचन हमारे पास वापस आए, तो क्या यह वही कार्य नहीं करेगा? तब फिर कैसे वचन जो वचन को पहचानता है, वचन के द्वारा गलत हो? ओह, अनुग्रह हो! आदरपूर्ण!

189 अरे, यहां एक महिला बैठी है, उसके हृदय में भी कुछ है। मैं बस अभी घूमा और इसे पकड़ा। क्या आप श्रीमती ग्रांट नहीं हैं? मुझे यह कभी भी मालूम नहीं था। परन्तु आप श्रीमती ग्रांट हैं, क्योंकि मैं आपको इसके साथ देखता हूं। आपको अधीरता है जो आपको परेशान कर रही है। आपको है, आपके पुत्र को कुछ और है... उसका लहू, जैसे, कि टपक रहा है। मैं आपको इस पर विश्वास करने की चुनौती देता हूं! आमीन। वह स्थिति का स्वामी है। वह मृत्यु का स्वामी है।

आइए प्रार्थना करें।

190 प्रभु यीशु, जबकि आपकी उपस्थिति हमारा अभिषेक कर रही है, यहाँ इस भवन में, और हम जानते हैं कि यह पवित्र आत्मा है, प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप जो भी इन रूमालों को पहने उन्हें चंगा करेंगे।

191 एक बार, हमें आपकी बाईबल में सिखाया गया, कि आपके लोग, ठीक अपने कर्तव्य पर थे, लाल सागर को पार कर रहे थे, और सागर उनके मार्ग में आ गया, उनकी यात्रा में जो प्रतिज्ञा के देश को चल रही थी। परमेश्वर ने अग्नि स्तंभ में से देखा, अपनी क्रोध भरी आंखों से, और सागर डर गया, पीछे हट गया, और इस्राईल प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश कर गया, ठीक अपने

कर्तव्य को करते हुए।

192 हे प्रभु परमेश्वर, तेरी आंखें यीशु मसीह में से होकर देखें, यहां इस चिन्ह में यहां आज हम इन रुमालों पर थामे हुए हैं। और होने पाए प्रत्येक जो इसे पहने, होने पाए कि बीमारी डर जाए, और वापस चली जाए और तेरे लोग अच्छे स्वास्थ्य की प्रतिज्ञा को पहुंचे। "विश्वास की प्रार्थना रोगी को बचा लेगी।" यीशु मसीह के नाम में, यह ऐसा ही हो। आमीन।

193 कितने मेथोडिस्ट प्रचारक यह विश्वास कर रहे हैं, जो यहां पर है, बैपटिस्ट प्रचारक, प्रेस्बिटेरियन प्रचारक, बैपटिस्ट प्रचारक, लूथरन, या पेंटीकोस्टल? आप में से कितने इसका सत्य होने का विश्वास करते हैं? यहां आकर और मेरे साथ खड़े हो जब हम बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं। आप सारे प्रचारक लोग जो विश्वास करते है।

194 यह ठीक है, है ना? भाई ग्रांट, यह सत्य है? [भाई ग्रांट कहते हैं, "निश्चय ही।"—सम्पा।] हूं-हुंह।

195 भाई यहाँ पर आए, भाई। भाई ग्रांट के पास बीमारों के प्रार्थना करने के लिए सेवकाई है। एक बहादुर व्यक्ति, एक भला व्यक्ति, एक व्यक्ति जिसकी परमेश्वर सुनता है और प्रार्थना का उत्तर देता है, भाई ग्रांट। आज मैं भाई के चारो ओर हाथ डालने को प्रसन्न हूं और कहता हूं कि, और मेरा भाई। अब यह यहां मेरे साथ प्रार्थना करने जा रहे है।

196 जब आप इस पंक्ति से होते हुए आते है, तो जैसे आप क्रूस के नीचे से आ रहे थे। भाइयों, यहाँ पर दो पंक्तियां बनाये। ठीक यहां पर, दो पंक्तियां बनाए; कुछ यहाँ पर, कुछ वहाँ नीचे।

197 भाई रॉय बॉर्डर्स, आप कहां पर हैं? भाई रॉय बॉर्डर्स, मैंने सोचा कि वह यहीं थे। [कोई कहता है, "वह ठीक वापस आ जाएगा।"—सम्पा।]

198 सेवक गण यहाँ पर देखे, क्या आप देखेगे! उधर देखे। इससे मुझे अच्छी अनुभूति होती है, भाइयों। क्रूस के सेवक, यह व्यक्ति जो यहां पर खड़े हैं जो कि स्वयं को संदेश के साथ प्रमाणित कर रहे है। क्या हो सकता है?

199 अब, देखिए, अब इसे सेवकों के ऊपर ना छोड़िए। वे अपने आप की पहचान कराने आए हैं। जब आप यहां से निकलते हैं, पहचान... चिन्ह को अपने सामने थामे रहे, "प्रभु यीशु, मैंने अपने पापों को स्वीकार कर लिया है। उसके बदले में, आपको मुझे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देना है। मैं

खरीदा हुआ उत्पाद हूं। पाप, बीमारी या कुछ भी मुझे यहां अब से आगे पकड़ नहीं सकते। मैं आगे बढ़ रहा हूं।" इसे अपने सामने थामे रहे, ओह, और यहां से होकर निकले, और परमेश्वर आपको चंगा करेगा और आप यहां से बाहर आनंद करते हुए जाएगे, खुश रहे, और चंगे रहे। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, आमीन।"—सम्पा।]

200 अब यहाँ प्रत्येक व्यक्ति, हम अपने सिरों को झुकाये, भाइयों, जब एक साथ है। हम नहीं जानते कि क्या घटित होने वाला है। हम नहीं जानते। कोई कारण नही कि कोई व्यक्ति इस भवन को बीमार व्यक्ति होकर छोड़े इस दोपहर बाद। उस चिन्ह को अपने ह्रदय पर थामे रहे, और इस प्रार्थना पंक्ति में से होकर जाए, जहां की सेवको ने अपने जीवनो को पवित्र किया है किया है कि—कि सेवा में हो, यहां आकर खड़े हो, जैसे आप यहां से निकलते है अपने हाथो को इन रखे।

आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, आप यह क्यों करते है? "

201 मैं आप में से प्रत्येक को चाहता हूं समझ ले... मैं चंगा करने वाला नहीं हूं। यह लोग, इन्हें भी बीमारों पर प्रार्थना करने का वैसा ही अधिकार है जैसे किसी और का। खुले रुप में, मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर मुझ से पहले इनकी प्रार्थनाओं का उत्तर देगा। मैं थका हुआ और श्रमित हूं, और सब कुछ। मैं—मैं विश्वास करता हूं कि वह उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर देगा। और यहाँ वे ठीक इसके बीच में खड़े हैं, कि अपनी पहचान करवाए, अपना स्थान लेने में लज्जित नहीं हुए। मैं इस प्रकार के व्यक्ति की सराहना करता हूं।

202 अब, भाइयों, मैं आप लोगो की भावनाओं को जानता हूं। मैं, मैं आपके साथ एक हूं। मैं वह हूं जिसने अपना जाल आपके साथ बुना है, यहां टेक्सास में, उन सब मछलियो को पकड़ने का यत्न करता हूं जिन्हें परमेश्वर ने अनन्त जीवन के लिए ठहराया है, वहां बाहर। मैं भरसक प्रयत्न कर रहा हूं। मैं आपके साथ सतप्रतिशत हूं। कभी–कभी मैं संस्थाओं आदि पर डांटता और चिल्लाता हूं। इसका अर्थ यह नहीं कि मैं आपके विरुद्ध हूं, मेरे भाईयो। मेरा अर्थ, मैं तंत्र के विरोध में हूं जो हम भाईयो को अलग करता है, भाई होने के नाते केवल कुछ धार्मिक शिक्षा के कारण। पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के कारण हम भाई–भाई है। हम एक ही चिन्ह रखते है। हमने एक ही लहू स्वीकार किया है, इसलिए हम इसका विश्वास करें। हम वहां मिल

सकते हैं (क्या हम नहीं मिल सकते?), भाइयों, हम में से प्रत्येक लहू के नीचे है।

203 अब, मेरा अभिषेक एक बैपटिस्ट के समान हुआ। सम्भव है आप एक मैथोडिस्ट हो, या लूथरन, या प्रेसबीटेरियन, पेंटीकोस्टल, वननेस, ट्रूनेस, थ्रीनेस, या जो कुछ भी आपके पास है, चर्च ऑफ गॉड, यह जो कुछ भी है। इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता। हम उन पर सहमत नही हो सकते छोटी–छोटी बातों पर, हम उन सब के विषय में भूल जाएं।

204 हम किसी बात पर सहमत हो सकते हैं, कि यीशु मसीह हमारा बचाने वाला हमारे पापों के लिए मरा, फिर जी उठा और हमें टोकन दे। यहां हम अपनी प्रार्थनाओं के साथ खड़े हैं, कि इन बीमार लोगो के लिए जो पंक्ति में आ रहे हैं इन भाई और बहनों को थामे। मैं इसका अपने सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करता हूं।

205 तब मैंने किसी चीज को घटित होते हुए देखा। आमीन। मैं जानता हूं कि आप सोचते हैं कि मैं पागल हूं, परन्तु मुझे पागलपन की भावना अच्छी लग रही है। मैं केवल विश्वास करता हूं कि मैं इसी प्रकार टिक सकता हूं। जी हां, श्रीमान। मैं इस प्रकार से बहुत ही अच्छा अनुभव करता हूं।

आइए प्रार्थना करें।

206 प्रभु यीशु, मैं इस प्रचार मंच से हटने जा रहा हूं, यहां से, और स्वयं को अपने इन भाइयों के साथ प्रमाणित करने जा रहा हूं। मैं अपनी पहचान इनके संग करवा रहा हूं, जैसे कि हम अपने चिन्ह को अपने–अपने हाथों में थामे हुए है, और अपने ह्रदयो में। जैसा कि हम आपकी आज्ञा का पालन करते हैं, "कि अपने हाथो को बीमारों पर रखे और वे चंगे हो जायेंगे।" होने पाए प्रत्येक जो इस पंक्ति से यहां से निकल कर जाए, अपने चिन्ह को उपस्थित करे, कि उन्होंने पवित्र आत्मा को पा लिया है, और वे परमेश्वर के बालक नया जन्म पाए हुए हैं, कि वे इसका पूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं। और जैसे ही वे यहां से होकर जाते हैं, होने पाए की वे उस रोग और दुःख को जो उनकी देह में श्रापित करे। और बाहर जाते हुए आनंद कर रहे हो कि उनके विश्वास ने उन्हें चंगा कर दिया है।

207 और, प्रभु परमेश्वर, जैसे की पुराने नियम की अगुवाई है, हमारे हाथ बलिदान पर स्वयं को बलिदान के साथ प्रमाणित करना, हम अपने हाथों को यीशु पर रखते हैं और स्वयं को उसके साथ प्रमाणित करते हैं। वह

अपने हाथों को अब इस सेवकाई में हम पर रखे, और स्वयं को हमारे साथ चिन्हो और आश्चर्य कर्मो के द्वारा प्रमाणित करे। और हम अपने हाथों को बीमारों पर रख रहे हैं, कि अपनी पहचान उनके साथ कराए, अपने विश्वास के साथ जो उनके साथ जुड़ा हुआ है। बीमारी को जाना ही है, और यह यीशु मसीह के नाम से करे, जैसे की हम इसे स्वीकार करने के लिए नीचे आते हैं।

सारी भक्त मण्डली प्रार्थना करें।

208 रॉय या कोई और यहां आए और इस माइक्रोफोन के पास खड़े हो कर, और पंक्ति को सीधा रखे।

209 देखिए, जब आप यहां से होकर जब निकलते हैं, तो विश्वास करते हुए आए, प्रार्थना करते हुए आए। हम बीमारों पर हाथ रखने जा रहे हैं। सीधे यहाँ से होते हुए आये। प्रार्थना करे। जब आप इन सेवक गणों के निकट होकर निकलते हैं, यदि आप बैसाखियो पर चल रहे हैं, तो उन्हें नीचे रख दें और चले जाएं। यदि आपको कैंसर है, बीमारी है, कहे, "डॉक्टर ने जो वह सब जो वह कर सकता था, कर लिया और उसने कहा है मुझे मरना ही होगा। मैं मरने वाला नहीं हूं। प्रभु, यहां मेरा चिन्ह है। आपने मुझसे साठ और दस की प्रतिज्ञा की है। मैं ठीक यहां से निकल रहा हूं, यह करते हुए।" देखिए, यही करिए। क्या आप इसे करेंगे? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यीशु के नाम में, ऐसा ही हो। आमीन।

210 तो ठीक है, पंक्ति को निकलने दो। [भाई ब्रन्हम और सेवकगण बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं, जैसे कि एक भाई केवल उनकी अगुवाई करता है *केवल विश्वास* और दूसरे गीतों को गाते हुए। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

मैं विश्वास करता हूं!
मेरे सारे संदेह सोते में गाड़े गए।

211 क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आमीन। ओह, क्या वो अद्भुत नहीं है? ["आमीन।"] उनमें से कुछ चारपाई और स्ट्रेचर थे, उठ कर खड़े हुए और चले गए; उन्हें वहीं पड़ा छोड़ गए, और चले गए। ओह, यह तो हर एक चंगा हो सकता है अब, यह इसका विश्वास करेगा। क्या आप विश्वास करते हैं? ["आमीन।"]

212 आइए हमें स्वर दें, *मैं उससे प्रेम करता हूं*, बहन, क्या आप स्वर देंगी; वह पुराना गीत, "मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं क्योंकि... "? आइए हम सब अपनी आवाज उठाएं, और हमारे हाथ, अपने ह्रदय, परमेश्वर की ओर, और गाये, "मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं, क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया।" अब हर कोई।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
कलवरी पर...

213 एक महिला, पहिए वाली कुर्सी पर से उठ कर, यहां दो मनुष्यों की सहायता से चल रही है। "मैं... " आइए हम अपने हाथों को परमेश्वर की ओर हिलाये, "मैं उससे प्रेम करता हूँ!"

मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया है
और मेरे उद्धार को खरीदा है
उस कलवरी के...

आईए अब हर एक जन उसकी स्तुति करें!

214 परमेश्वर की महिमा हो! कैसे हम तेरा धन्यवाद करे, प्रभु यीशु, तेरी भलाई और उपस्थिति के लिए। ओह, हम चिन्ह के लिए धन्यवाद करते हैं, प्रभु। हम बचा लिए गए हैं और आत्मा से से भर गए है, पवित्र आत्मा अब हमारी देह को हिलोरे दे रहा है। पिता, हम कैसे इसके लिए तेरा धन्यवाद करे! ओह, यीशु के नाम में हम तेरा धन्यवाद करते हैं। आमीन। आमीन।

215 प्रत्येक हाथ मिला कर कहे, "प्रभु की प्रशंसा हो!" एक दूसरे से हाथ मिलाये, कहे, "प्रभु की प्रशंसा हो! प्रभु की प्रशंसा हो!" (... ? ...) ठीक है, अब, एक साथ फिर से:

मैं उससे प्रेम करता हूं,

हाथ और ह्रदय ऊपर करे।

मैं...

बस इसे अपने ह्रदय से प्रकट करें।

क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया है (क्या आप
समाप्त करने जा रहे हैं?)
और मेरे उद्धार को खरीदा
कलवरी के पेड़ पर।

216 अब पूरी श्रद्धा से अपने सिरों को झुकाये, जैसे कि सभा को समाप्त करने के लिए मैं इसे भाई ग्रांट को देता हूं; आप में से प्रत्येक का धन्यवाद करते हुए। पहले, परमेश्वर की भलाई के लिए धन्यवाद करता हूं, उसकी दया, और उस आश्वासन के लिए जिसके लिए मैं आशा करता हूं कि हमने आपके ह्रदयो में छोड़ा है, कि हम यहां पर अकेले नहीं हैं। हमारा महान बड़ा कप्तान हमारे मध्य में है। राजा की ललकार तंबू में है। और हम प्रभु का धन्यवाद करते हैं, उसकी महान सामर्थ और उसकी महान दया को देखकर। और अब हम श्रद्धा में अपने सिरों को झुकाये। भाई ग्रांट।

64–0308 चिन्ह
सोल्स हार्बर टेम्पल
डल्लास, टेक्सास यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org